सुविचार
बिना जोश के आज तक कोई भी महान कार्य नहीं हुआ।
सुभाष चंद्र बोस

दैनिक
रेवांचल टाइम्स
निष्पक्ष, निर्भीक एवं सत्य का प्रवर्तक

Revanchal Times
7509202320
@revanchal_times
revanchaljabalpur@gmail.com
revanchaltimes_

■ वर्ष - 09 ■ अंक - 342 ■ मंडला, बुधवार 18 मार्च 2026 ■ पृष्ठ-8 ■ मूल्य-1 रूपये ■ विक्रम संवत् 2082 शक 1935 ■ www.revanchaltimes.com RNI. Reg. No MPHIN/2016/69877

लोकसभा से 8 विपक्षी सांसदों का निलंबन हटा

स्पीकर बिरला ने सांसदों से कहा- पोस्टर और एआई से बनीं तस्वीरें न दिखाएं

नई दिल्ली। लोकसभा में मंगलवार को पहले फेज के दौरान निलंबित किए गए 8 सांसदों पर लगा सस्पेंशन हटा दिया गया। इनमें कांग्रेस के 7 और लेफ्ट के एक सांसद हैं। ये आठ सांसद 4 फरवरी को लोकसभा से पूरे बजट सत्र के लिए निलंबित किए गए थे। उन पर हंगामा करने के दौरान स्पीकर पीठासीन कृष्णा प्रसाद तेन्नेटी की कुर्सी की ओर कागज फेंकने का आरोप लगा था। यह हंगामा उस समय हुआ था जब राहुल गांधी सदन में पूर्वी लद्दाख में 2020 के भारत-चीन सीमा तनाव का जिक्र कर रहे थे। कांग्रेस सांसद के. सुरेश समेत 3 सांसदों ने सस्पेंशन प्रस्ताव रखा। इसके बाद ध्वनि मत से इसे पास कर दिया गया। इससे पहले सपा सांसद धर्मेंद्र यादव ने इसका समर्थन किया। धर्मेंद यादव ने कहा कि सदन की मयार्दा में सत्ता पक्ष को भी मान रखना होगा। उन्होंने कहा कि खासकर भाजपा सांसद निशिकांत दुबे इसका ख्याल रखें। इसके बाद सदन में सत्ता पक्ष ने हंगामा शुरू कर दिया। इस दौरान स्पीकर ओम बिरला ने सदस्यों से कहा,'प्लेकार्ट और एआई से बनाई गई तस्वीरें प्रदर्शित न करें।'

निर्यातकों की बढ़ी मुश्किल

व्यापार मंडल ने फ्ङ्कगवर्नर से लगाई राहत की गुहार

नई दिल्ली। भारत वाणिज्य मंडल (बीसीसी) ने पश्चिम एशिया में जारी तनाव के कारण वैश्विक लॉजिस्टिक्स एवं शिपिंग मार्गों में व्यवधान से प्रभावित निर्यातकों के लिए सहायक बैंकिंग उपायों की मांग की है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा को सोमवार को लिखे पत्र में मंडल ने कहा कि पश्चिम एशिया न केवल भारतीय निर्यात का एक प्रमुख गंतव्य है, बल्कि यूरोप व अफ्रीका जाने वाले माल के लिए एक महत्वपूर्ण ट्रांस-शिपमेंट (माल आवाजाही) केंद्र भी है। पत्र में कहा गया मौजूदा स्थिति के कारण जहाजों के मार्ग बदल रहे हैं, बंदरगाहों पर भीड़ बढ़ रही है, माल भाड़ा एवं बीमा लागत बढ़ गई है तथा परिवहन अवधि लंबी हो गई है जिससे निर्यातकों की कार्यशील पूंजी तथा नकदी स्थिति पर दबाव पड़ा है। बीसीसी ने आरबीआई से आग्रह किया कि वह बैंकों को कार्यशील पूंजी सीमा बढ़ाकर, तदर्थ ऋण सुविधाएं प्रदान करके और शिपमेंट से पहले व बाद में निर्यात ऋण की अवधि बढ़ाकर एक सहायक ऋण दृष्टिकोण अपनाने के लिए प्रोत्साहित करे। इसके अलावा, पैकिंग क्रेडिट के नवीनीकरण में अधिक लचीलापन और निर्यात बिल की देय तिथियों को बढ़ाने की भी मांग की गई है। मंडल ने यह भी अनुरोध किया कि ऋण अदायगी पर स्थगन अवधि को 2026 की पहली और दूसरी तिमाही तक बढ़ाया जाए, ताकि लॉजिस्टिक्स व्यवधान झेल रहे निर्यात क्षेत्रों को राहत मिल सके।

साथ ही, यह भी कहा गया कि शिपिंग में देरी के कारण होने वाली भुगतान देरी पर निर्यातकों को दंडात्मक ब्याज से बचाने और ब्याज समानीकरण योजना (आईईएस) के लाभों की सुरक्षा के लिए नियामकीय राहत दी जाए। बीसीसी ने परिवहन अवधि के नियमों पर मांग की कि उधार अवधि वाले निर्यात बिल के लिए अनुमत समय को सामान्य परिवहन अवधि + 25 दिन से बढ़ाकर + 60 दिन किया जाए विशेषकर सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमों के लिए समानता सुनिश्चित करने हेतु। अनिश्चित शिपमेंट समयसीमा के बीच निर्यात वित्तपोषण को सुचारु बनाए रखने के लिए बिल डिस्काउंटिंग सुविधाओं में अधिक स्पष्टता और मजबूती लाने की भी मांग की गई। भारत वाणिज्य मंडल (बीसीसी) के अध्यक्ष के नरेश पचीसिया ने कहा कि नाशवंत (जल्द खराब होने वाले) और मौसमी फैशन उत्पादों से जुड़े निर्यातक विशेष रूप से प्रभावित हैं, क्योंकि शिपमेंट में देरी होने पर मौसमी मांग का समय निकल जाने से माल का मूल्य घट सकता है।

हिमाचल-बिहार समेत 17 राज्यों में बारिश

गंगोत्री-यमुनोत्री में बर्फबारी:केदारनाथ में -11 डिग्री पारा

नई दिल्ली। देशभर के राज्यों में पिछले दो दिनों से आंधी, बारिश और ओले गिर रहे हैं। क्टऊ ने मंगलवार को पूर्वोत्तर और दक्षिण भारत के 16 राज्यों में आंधी-बारिश का अलर्ट जारी किया है। इनमें बिहार, झारखंड, सिक्किम, बंगाल, छत्तीसगढ़, ओडिशा, तेलंगाना, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, केरल, महाराष्ट्र, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा शामिल हैं। उत्तरी राज्यों जम्मू-कश्मीर, हिमाचल और उत्तराखंड में मार्च में हो रही बर्फबारी से सर्दी फिर लौट आई है। बर्फबारी के कारण गुरेज-बांदीपोरा रोड, सिंथन-किश्तवाड़ रोड और मुगल रोड बंद हो गई है। वहीं जोजिला दर्रे पर बर्फ जमने से श्रीनगर-लेह हाईवे भी बंद कर दिया गया। उत्तराखंड के चमोली में

सोमवार रात भी बर्फबारी हुई। बद्रीनाथ धाम का मंदिर परिसर बर्फ की मोटी चादर से ढंक गया है। बर्फबारी के कारण केदारनाथ में तापमान -11त्ड तक गिर गया है। गंगोत्री-यमुनोत्री में बर्फबारी हो रही है। उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर में सोमवार रात बारिश हुई और ओले भी गिरे। बिजनौर में तेज आंधी की वजह से पेड़ उखड़ गए। सहारनपुर में आंधी की वजह से टीन शेड गिरने से पूर्व प्रधान समेत 2 लोगों की मौत हो गई। हालांकि क्टऊ ने आज मध्य भारत के लिए यानी दिल्ली, राजस्थान, मध्य प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और गुजरात में कोई चेतावनी नहीं दी है। यहां एक बार फिर तापमान बढ़ सकता है।

किसी भी उम्र का बच्चा गोद लेने पर मातृत्व अवकाश

अभी उम्र 3 महीने से कम होना जरूरी, सुप्रीम कोर्ट बोला- पितृत्व अवकाश पर भी कानून बने

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि अब किसी भी उम्र के बच्चे को गोद लेने वाली महिला को 12 हफ्ते की छुट्टी मिलेगी। सिर्फ 3 महीने से कम उम्र के बच्चे को गोद लेने पर ही छुट्टी देना गलत है। जस्टिस जेबी परदीवाला और जस्टिस आर महादेवन की बेंच सोशल सिक्योरिटी कोड, 2020 से जुड़े मामले की सुनवाई कर रही थी। इस दौरान बेंच ने धारा 60(4) को असंवैधानिक करार देते हुए बच्चे की उम्र 3 महीने से कम होने के नियम को रद्द कर दिया। हमसानंदिनी नंदूरी ने इस मामले में जनहित याचिका दाखिल की थी। उन्होंने कहा था कि उम्र के आधार पर छुट्टी देना गलत है और यह संविधान के अनुच्छेद 14 (समानता के अधिकार) का उल्लंघन है। इसके अलावा कोर्ट ने केंद्र सरकार से कहा है कि वह पितृत्व अवकाश (पिता की छुट्टी) को भी कानून में शामिल करे। कोर्ट ने कहा कि इसकी अवधि माता-पिता और बच्चे की जरूरतों के अनुसार तय होनी चाहिए।

जंग से बर्बाद हो रहा ईरान, महंगाई चरम पर

सीमा खुलते ही भाग रहे ईरानी, पड़ोसी देशों ने सीमा पर सुरक्षा कड़ी की

नईदिल्ली। पर अमेरिका और इजराइल के हमलों ने जिस तरह पूरे क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया है, उसकी गूंज अब सीमाओं से बाहर फैलती दिखाई दे रही है। जंग के केवल अठारह दिनों के भीतर हालात इतने भयावह हो चुके हैं कि लाखों लोग अपने ही देश में बेघर हो गए हैं, जबकि हजारों लोग जान बचाने के लिए सीमाएं पार करने को मजबूर हैं। उत्तरी इराक के हाजी ओमेरान सीमा पार बिंदु पर जो दृश्य सामने आए, वह इस मानवीय त्रासदी की सच्ची तस्वीर पेश करते हैं। हम आपको बता दें कि रविवार को जब यह सीमा दोबारा खोली गई, तो दर्जनों ईरानी नागरिक तुरंत इराक की ओर उमड़ पड़े। ये लोग किसी सैर या व्यापार के लिए नहीं, बल्कि जिंदगी की बुनियादी जरूरतों के लिए सीमा पार कर रहे थे। सस्ते राशन की तलाश, इंटरनेट की सुविधा, अपने परिजनों से संपर्क और काम की उम्मीद ही उन्हें इस जोखिम भरे सफर पर खींच लाई। लगातार हवाई हमलों और आसमान छूती महंगाई ने ईरान के आम नागरिकों की कमर तोड़ दी है।

सीमा पार करते ही इराक के कुर्द क्षेत्र में ट्रकों की लंबी कतारें दिखाई दीं, जिनमें जरूरी सामान भरा था। यह सामान ईरान के लोगों के लिए राहत की सांस जैसा है, क्योंकि उनके अपने देश में चावल, तेल और अन्य आवश्यक वस्तुएं आम आदमी की पहुंच से बाहर हो चुकी हैं। पंद्रह किलोमीटर का सफर तय करके सीमा तक पहुंची एक महिला ने बताया कि वह सिर्फ एक फोन कॉल करने आई है क्योंकि पूरे ईरान में इंटरनेट लगभग ठप है। पिछले सोलह दिनों से उसके परिवार को उसकी कोई खबर नहीं मिली थी।

हालात इतने खराब हैं कि लोग इराकी सिम खरीदकर सीमा के पास खड़े होकर अपने रिश्तेदारों से संपर्क साध रहे हैं। यह केवल तकनीकी संकट नहीं, बल्कि सामाजिक टूटन का संकेत है। जब एक देश के लोग अपने ही देश में संवाद नहीं कर पा रहे, तो यह व्यवस्था के पूर्ण विफल होने का प्रमाण है। दूसरी ओर, एक बुजुर्ग महिला की कहानी इस त्रासदी को और गहरा कर देती है। उसका बेटा, जो तस्करी कर परिवार चलाता था, वह ईरानी सैनिकों द्वारा मार दिया गया। अब वह तीन छोटे बच्चों के साथ भूख और कर्ज के बीच जूझ रही है। दो महीने का किराया बकाया है, खाने के लिए पैसे नहीं हैं और अब वह इराक में दूर के रिश्तेदारों से मदद मांगने के लिए अकेली सीमा पार कर रही है। बारिश में भीगती हुई वह सड़क किनारे किसी गाड़ी का इंतजार करती रही। यह केवल एक महिला की कहानी नहीं, बल्कि हजारों परिवारों की वास्तविकता है। युद्ध ने न केवल नागरिक जीवन को तबाह किया है, बल्कि सुरक्षा ढांचे को भी पूरी तरह हिला दिया है। कई सैन्य ठिकाने, खुफिया कार्यालय और पुलिस संस्थान नष्ट हो चुके हैं। सुरक्षा बल अब अपने दफ्तरों में रहने से बच रहे हैं और स्कूलों, अस्पतालों या वाहनों में छिपकर काम चला रहे हैं। इसका सीधा असर आम नागरिकों की सुरक्षा पर पड़ रहा है, जो पहले ही भय और असुरक्षा में जी रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार अब तक बत्तीस लाख से अधिक लोग ईरान के भीतर विस्थापित हो चुके हैं। यह संख्या तेजी से बढ़ रही है और यदि हालात नहीं सुधरे तो यह संकट अभूतपूर्व रूप ले सकता है।

जादू-टोना के शक में ट्रिपल मर्डर, पति-पत्नी और 12 साल के बेटे को उतारा मौत के घाट

गोड्डा। झारखंड के गोड्डा जिले के देवदांड थाना क्षेत्र में ह्यडायन-बिसाहीह्न के शक में एक ही परिवार के तीन लोगों की धारदार हथियार से हत्या कर दी गई। उनकी पहचान पचास वर्षीय दरवारी मुर्मू, पैंतालीस वर्षीय उनकी पत्नी मक्कू वास्की और बारह वर्षीय पुत्र दीप नारायण मुर्मू के रूप में की गई है। इस जघन्य घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत और सनसनी का माहौल है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, घटना मंगलवार सुबह की है। आरोप है कि कुछ लोगों ने परिवार पर जादू-टोना करने का शक जताते हुए उन पर धारदार हथियार से ताबड़तोड़ हमला कर दिया, जिससे तीनों की मौके पर ही मौत हो गई। वारदात को अंजाम देने के बाद सभी आरोपी फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और तीनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। साथ ही घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं और आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है।

देवढाड थाना प्रभारी अमित मालवीय पौडैयाहाट थाना प्रभारी महावीर पंडित गांव में कैम्प किये हुए हैं। इस संबंध में गोड्डा के एसपी मुकेश कुमार ने बताया कि घटना सुबह की है और मामले में कुछ लोगों को हिरासत में लिया गया है। उन्होंने कहा कि पूरे मामले की जांच डीएसपी के नेतृत्व में की जा रही है। जांच पूरी होने के बाद आरोपियों की गिरफ्तारी सुनिश्चित की जाएगी। साथ ही पीड़ित परिवार को सरकार की ओर से हर संभव सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

बस और ट्रक के बीच जोरदार टक्कर, पांच लोगों की मौत

हनुमानगढ़। राजस्थान में हनुमानगढ़ जिले के रावतसर थाना क्षेत्र में मेगा हाईवे पर मंगलवार सुबह बस और ट्रक की टक्कर में पांच लोगों की मौत हो गई और पांच से अधिक यात्री घायल हुए हैं। पुलिस सूत्रों ने बताया कि निजी बस श्रीगंगानगर से जयपुर के लिए सुबह पांच बजे रवाना हुई थी। यह बस हनुमानगढ़ में बरमसर के पास एक वाहन से आगे निकलने के प्रयास में विपरीत दिशा से आ रहे ट्रक से टकरा गई। इससे बस में सवार पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई

जबकि पांच से अधिक लोग घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही रावतसर के पुलिस उपाधीक्षक सुभाष गोदारा, थाना प्रभारी ईश्वरानन्द पुलिसकर्मियों सहित मौके पर पहुंचे और एम्बुलेंस की मदद से घायलों को रावतसर के सरकारी अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने बताया कि गंभीर घायलों को हनुमानगढ़ टाउन में जिला चिकित्सालय भेजा गया है। शव रावतसर के सरकारी अस्पताल में सुरक्षित रखवा दिये गए हैं। पुलिस उनकी पहचान के प्रयास कर रही है। मौके पर रावतसर के उपखंड अधिकारी संजय कुमार और अन्य अधिकारी भी पहुंचे।

नाइजीरिया: मैदुगुरी में तीन भीषण धमाकों से दहला बाजार, 23 की मौत, 100 से अधिक घायल

अबुजा। नाइजीरिया के मैदुगुरी शहर में सोमवार शाम हुए तीन सिलसिलेवार बम धमाकों में कम से कम 23 लोगों की मौत हो गई और 108 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस सूत्रों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस सूत्रों ने बताया कि इन हमलों में शहर के व्यस्ततम इलाकों को निशाना बनाया गया है। प्रारंभिक जांच से पता चला है कि संदिग्ध आत्मघाती हमलावरों ने ह्यमंडे मार्केटह्न, ह्ययूनिवर्सिटी हॉस्पिटलह्न के गेट और ह्यपोस्ट ऑफिस क्षेत्र में आईईडी के जरिए ये विस्फोट किए। धमाके उस समय हुए जब इन इलाकों में लोगों की भारी भीड़ मौजूद थी, जिससे हताहतों की संख्या में इजाफा हुआ।

विस्फोटों के तुरंत बाद सुरक्षाबलों की एक संयुक्त टीम को प्रभावित क्षेत्रों में भेजा गया ताकि स्थिति को नियंत्रित किया जा सके और किसी भी संभावित खतरे को रोका जा सके। प्रवक्ता ने पुष्टि की है कि वर्तमान

में मैदुगुरी में स्थिति सामान्य हो गई है। हालांकि पूरे शहर में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं और अतिरिक्त बल तैनात किया गया है। इन घातक हमलों की जिम्मेदारी अब तक किसी भी समूह ने नहीं ली है। मैदुगुरी क्षेत्र लंबे समय से उग्रवादी गतिविधियों से प्रभावित रहा है। घायलों को इलाज के लिए नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है, जिनमें से कई की हालत नाजुक बनी हुई है।

पाकिस्तान ने अफगानिस्तान के अस्पताल पर की एयरस्ट्राइक, 400 लोगों की मौत का दावा

काबुल। अफगानिस्तान ने पाकिस्तान की सेना पर राजधानी काबुल में नशा मुक्ति केंद्र पर हवाई हमला करने का आरोप लगाया, जिसमें कम से कम 400 लोगों की मौत हो गई। यह जानकारी मंगलवार को अल जजीरा ने दी। हालांकि पाकिस्तान ने इस दावे को झूठा और जनमत को गुमराह करने वाला बताते हुए खारिज कर दिया और कहा कि उसने सोमवार को केवल काबुल और नांगरहार प्रांत में सैन्य प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया था।

अफगानिस्तान की तालिबान सरकार के उप प्रवक्ता हमदुल्लाह फितरत के अनुसार, काबुल के उमर व्यसन उपचार अस्पताल पर हमला स्थानीय समयानुसार सोमवार रात लगभग नौ बजे (16:30 जीएमटी) हुआ। उन्होंने एक्स पर लिखा कि अस्पताल में

2,000 बिस्तरों की क्षमता है और इस हमले में इमारत के बड़े हिस्से नष्ट हो गए। उन्होंने आगे कहा, ह्रदुर्भाग्यवश, मृतकों की संख्या अब तक 400 तक पहुंच चुकी है और लगभग 250 अन्य लोग घायल हुए हैं। बचाव दल वर्तमान में घटनास्थल पर मौजूद हैं और आग पर काबू पाने एवं पीड़ितों के शवों को निकालने का काम कर रहे हैं। अफगान सरकार के एक अन्य प्रवक्ता जबिहुल्लाह मुजाहिद ने अस्पताल हमले की निंदा करते हुए कहा कि पाकिस्तान ने एक बार फिर अफगानिस्तान के हवाई क्षेत्र का उल्लंघन किया है और काबुल में एक नशा मुक्ति अस्पताल को निशाना बनाया है। उन्होंने एक्स पर कहा कि अफगान सरकार ऐसे कृत्य को सभी स्वीकृत सिद्धांतों एवं मानवता के विरुद्ध अपराध मानती है।वहीं, पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के प्रवक्ता मोशर्रफ जैदी ने इन आरोपों को निराधार बताते हुए खारिज कर दिया और कहा कि काबुल में किसी भी अस्पताल को निशाना नहीं बनाया गया। एक्स पर एक पोस्ट में, पाकिस्तान के सूचना मंत्रालय ने कहा कि हमलों में ह्नकाबुल और नंगरहार में अफगान तालिबान और अफगानिस्तान स्थित पाकिस्तानी लड़ाकों के सैन्य प्रतिष्ठानों एवं आतंकवादी समर्थन अवसंरचना को निशाना बनाया गया। उन्होंने कहा कि इन सुविधाओं का उपयोग निर्दोष पाकिस्तानी नागरिकों के खिलाफ किया जा रहा था।मंत्रालय ने कहा कि पाकिस्तान द्वारा की गई लक्षित कार्रवाई सटीक एवं सावधानीपूर्वक थी ताकि कोई भी अप्रत्यक्ष नुकसान न हो। मंत्रालय ने कहा कि अफगान प्रवक्ता मुजाहिद का दावा पाकिस्तान विरोधी भावना भड़काने और तालिबान द्वारा सीमा पार आतंकवाद के लिए अवैध समर्थन को छिपाने के उद्देश्य से किया गया है।

मां रेवा पब्लिकेशन एंड प्रिंटर्स
जबलपुर शहर में सबसे कम दामों में
समाचार पत्र के A to Z कार्य का एकमात्र स्थान
प्रिंटिंग
जॉब वर्क
न्यूज पेपर
पीडीएफ
संपर्क करें 7415685293 9589490996 9340553112
68/1 लक्ष्मीपुर विवेकानंद वार्ड, मुस्कान प्लाजा के पीछे, एम आर 4 रोड, उखरी, जबलपुर (मप्र)

शहर में मॉडिफाइड बाइक का आतंक, तेज आवाज से लोग परेशान

साइलेंसर हटाकर दौड़ा रहे बाइक, 125 डेसीबल तक पहुंच रही आवाज; स्वास्थ्य पर भी पड़ रहा असर

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। शहर की प्रमुख सड़कों और कॉलोनियों में इन दिनों मॉडिफाइड बाइकों का शोर लोगों के लिए बड़ी परेशानी बनता जा रहा है। सैकड़ों युवा अपनी बाइकों के साइलेंसर बदलकर उन्हें तेज आवाज वाली बना रहे हैं और सड़कों पर तेज रफ्तार में दौड़ा रहे हैं। इन बाइकों से निकलने वाली आवाज सामान्य मानक से कहीं ज्यादा होती है। जहां मानव कानों के लिए 80 डेसीबल तक की आवाज सुरक्षित मानी जाती है, वहीं ये मॉडिफाइड बाइक 125 डेसीबल या उससे अधिक शोर कर रही हैं। इससे सड़क पर चल रहे बच्चे, बुजुर्ग और महिलाएं असहज महसूस कर रहे हैं।

शहर में फिर बढ़ा ट्रेंड

कुछ साल पहले पुलिस की सख्ती के बाद ऐसे बाइकर्स कम हो गए थे, लेकिन अब फिर से इनकी संख्या तेजी से बढ़ रही है। बुलेट, पल्सर समेत 150 सीसी से अधिक क्षमता वाली बाइकों के साइलेंसर बदलकर युवक तेज आवाज निकाल रहे हैं।

संवेदनशील क्षेत्रों में भी नहीं रोक

बाजार, अस्पताल और धार्मिक स्थलों जैसे संवेदनशील इलाकों में भी ये युवक बिना किसी डर के बाइक दौड़ाते नजर आते हैं। कई बार बाइक से पटाखे जैसी आवाज निकालकर लोगों को डराने की घटनाएं भी सामने आ रही हैं।

मिस्त्री भी बढ़ा रहे समस्या

शहर में कुछ बाइक मैकेनिक बिना किसी नियम के साइलेंसर में बदलाव कर रहे हैं, जिससे बाइकों की आवाज और तेज हो जाती है। यह काम खुलेआम किया जा रहा है।

स्वास्थ्य पर गंभीर असर

विशेषज्ञों के अनुसार लंबे समय तक तेज शोर के संपर्क में रहने से सुनने की क्षमता प्रभावित हो सकती है। इसके अलावा नींद न आना, सिरदर्द, थकान और दिल की धड़कन में असामान्यता जैसी समस्याएं भी हो सकती हैं। तेज आवाज के कारण शरीर में स्ट्रेस हार्मोन (कॉर्टिसोल, एड्रेनालिन) का स्तर बढ़ जाता है, जिससे हाई ब्लड प्रेशर और हृदय रोग का खतरा भी बढ़ता है।

प्रशासन से कार्रवाई की मांग

स्थानीय लोगों ने प्रशासन और पुलिस से मांग की है कि ऐसे बाइकर्स और गैरकानूनी मॉडिफिकेशन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि शहर में शांति और सुरक्षा बनी रहे।

दो दिवसीय विज्ञान दिवस-2026 का हुआ भव्य समापन, विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को किया गया सम्मानित

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के व्यवसायिक अध्ययन एवं कौशल विकास संस्थान, मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, भोपाल तथा महाकौशल विज्ञान परिषद, जबलपुर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय विज्ञान दिवस-2026 कार्यक्रम का सफलतापूर्वक समापन हुआ। कार्यक्रम में मॉडल, पोस्टर एवं साइंटिफिक रंगोली प्रतियोगिताओं के विजेताओं को प्रमाण पत्र एवं पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 2026 के उपलक्ष्य में विज्ञान में महिलाएं: विकसित भारत की प्रगति की प्रेरक शक्ति विषय पर आयोजित इस कार्यशाला में छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता के परिणाम घोषित होते ही विद्यार्थियों में उल्लास का माहौल देखने को मिला। कार्यक्रम के द्वितीय दिवस की शुरूआत मोटिवेशनल व्याख्यान से हुई, जिसमें विद्यार्थियों को विज्ञान के प्रति जागरूक एवं प्रेरित किया गया। समापन सत्र में कुलगुरु प्रो. राजेश कुमार वर्मा ने कहा कि ऐसे आयोजनों से विद्यार्थियों में विज्ञान के प्रति रुचि बढ़ती है और यह एक सकारात्मक पहल है। वहीं, प्रांताध्यक्ष प्रो. एस.पी. गौतम ने अपने उद्बोधन में कहा कि प्राचीन काल से ही महिलाओं की भूमिका महत्वपूर्ण रही है और आधुनिक युग में विज्ञान के साथ उनका योगदान और भी प्रभावी हो रहा है। विशिष्ट अतिथि प्रो. राकेश बाजपेई ने कहा कि देश के प्रत्येक क्षेत्र में महिलाओं की भूमिका निरंतर सशक्त हो रही है। बायोसाइंस विभागाध्यक्ष प्रो. एस.एस. संधू ने प्रतिभागियों की सराहना की। विशेष व्याख्यान में डॉ. राकेश सक्सेना (पूर्व वरिष्ठ वैज्ञानिक, एमपीसीएसटी) ने बताया कि सरकार द्वारा महिलाओं को विज्ञान एवं शोध के क्षेत्र में प्रोत्साहित करने हेतु अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं।

प्रतियोगिता परिणाम इस प्रकार रहे

मॉडल प्रतियोगिताः नित्या त्रिपाठी (प्रथम), मोनिका गौतम एवं राज यादव (द्वितीय), दीप्ति सिंह बिसेन (तृतीय)। पोस्टर प्रतियोगिताः प्राची दहायत (प्रथम), शुभा मिश्रा एवं खुशी पटेल (द्वितीय), रचना मिश्रा एवं प्रियंका आशीष खरे (तृतीय)। साइंटिफिक रंगोली प्रतियोगिताः प्रियंका आशीष खरे (प्रथम), माखन लोढ़ी एवं निकिता मरकाम (द्वितीय), दिव्या लोढ़ी एवं दीपमाला शर्मा (तृतीय)। कार्यक्रम संयोजक डॉ. अजय मिश्रा ने बताया कि इस आयोजन में कुल 62 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिन्हें सांत्वना पुरस्कार स्वरूप प्रमाण पत्र भी प्रदान किए गए। कार्यक्रम में प्रो. रीता भंडारी, डॉ. मीनल दुबे, डॉ. प्रदीप विश्वकर्मा, डॉ. दीपक रजक, सुजोहफिशा मंसब अंसारी, सुरविता सिंह, डॉ. हरीश यादव, नंद यादव एवं श्रीमती सविता पठारिया की गरिमामयी उपस्थिति रही। संचालन डॉ. मीनल दुबे एवं आभार प्रदर्शन डॉ. अजय मिश्रा ने किया।

जबलपुर रेलवे स्टेशन पर बंद पड़े वाटर कूलर, गर्मी में यात्री परेशान

ठंडे पानी की सुविधा नहीं मिलने से यात्रियों को खरीदना पड़ रहा बोतलबंद पानी

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। गर्मी का दौर शुरू होते ही जहां यात्रियों को ठंडे पानी की जरूरत बढ़ गई है, वहीं जबलपुर रेलवे स्टेशन पर लगे दर्जनों वाटर कूलर अब तक चालू नहीं किए गए हैं। इससे यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थिति यह है कि स्टेशन पर ठंडे पानी की सुविधा न मिलने के कारण यात्रियों को मजबूरी में फ्रिज में रखे बोतलबंद पानी की तलाश करनी पड़ रही है। कई यात्री इधर-उधर भटकते नजर आ रहे हैं। जबलपुर रेलवे स्टेशन के 7 प्लेटफॉर्मों पर 24 घंटे के भीतर सैकड़ों ट्रेनों का संचालन होता है। यहां प्रतिदिन एक लाख से अधिक यात्रियों का आवागमन होता है, जिन्हें इस भीषण गर्मी में ठंडे पानी की आवश्यकता होती है। हालांकि प्लेटफॉर्म पर लगे फिल्टर वाटर मशीन और स्टॉल्स से पानी उपलब्ध है, लेकिन निःशुल्क ठंडे पानी के लिए लगाए गए वाटर कूलर बंद पड़े हैं, जिससे खासकर गरीब और सामान्य यात्रियों को दिक्कत हो रही है। ठंडा पानी नहीं मिलने से यात्रियों को 14 रुपये तक की बोतल खरीदने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है, जिससे उनका अतिरिक्त खर्च बढ़ रहा है।

प्रशासन से मांग

यात्रियों ने रेलवे प्रशासन से मांग की है कि गर्मी को देखते हुए जल्द से जल्द सभी वाटर कूलरों को चालू किया जाए, ताकि उन्हें राहत मिल सके और स्टेशन पर बुनियादी सुविधाएं सुचारु रूप से मिल सकें।

जबलपुर में आबकारी विभाग की बड़ी कार्रवाई, बार का लाइसेंस 3 दिन के लिए निलंबित

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। शहर में अवैध शराब कारोबार और नियमों के उल्लंघन के खिलाफ कार्रवाई करते हुए आबकारी विभाग ने सोमवार को बड़ी कार्रवाई की। दीनदयाल चौक बस स्टैंड स्थित एक बार पर छापेमारी के दौरान गंभीर अनियमितताएं सामने आने के बाद उसका लाइसेंस तीन दिनों के लिए निलंबित कर दिया गया। आबकारी विभाग और उड़नदस्ता (फ्लाइंग स्क्वॉड) की संयुक्त टीम ने औचक निरीक्षण किया। जांच के दौरान पाया गया कि बार की तीसरी मंजिल पर बिना वैध अनुमति के विदेशी शराब बेची और परोसी जा रही थी, जो नियमों का सीधा उल्लंघन है।

नियमों की खुली अनदेखी

नियमों के अनुसार बार संचालक को केवल लाइसेंस में निर्धारित स्थान और शर्तों के तहत ही शराब बेचने और परोसने की अनुमति होती है। लेकिन जांच में इन नियमों की अनदेखी सामने आई।

संचालक पर जिम्मेदारी तय

मामले में लाइसेंसधारी जितेंद्र तिवारी को जिम्मेदार मानते हुए विभाग ने सख्त कार्रवाई की। जारी आदेश के मुताबिक 19 मार्च से 21 मार्च तक बार का संचालन पूरी तरह बंद रहेगा। आबकारी अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि शहर में अवैध रूप से शराब बिक्री या नियमों के उल्लंघन की किसी भी शिकायत पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

आरडीयू में परीक्षा केंद्रों पर मोबाइल पूरी तरह बैन, छात्र शिक्षक सभी पर लागू नियम

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय (आरडीयू) प्रशासन ने परीक्षा प्रक्रिया में पारदर्शिता और गोपनीयता बनाए रखने के लिए बड़ा फैसला लिया है। विश्वविद्यालय ने सभी परीक्षा केंद्रों पर मोबाइल फोन के उपयोग और रखने पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया है। परीक्षा विभाग द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार अब परीक्षा केंद्रों पर छात्र-छात्राएं, पर्यवेक्षक, वीक्षक और अन्य अधिकारी–कोई भी मोबाइल फोन का उपयोग नहीं कर सकेगा। केंद्र परिसर में मोबाइल का उपयोग और संग्रहण पूरी तरह वर्जित रहेगा और इसका सख्ती से पालन सुनिश्चित किया जाएगा।

शिकायतों के बाद लिया गया निर्णय

यह फैसला ऐसे समय में आया है जब हाल ही में परीक्षा की गोपनीयता को लेकर कई सवाल उठे थे। छात्र संगठनों और शिक्षा जगत से जुड़े लोगों ने आरोप लगाए थे कि कुछ केंद्रों पर परीक्षा शुरू होने से पहले ही प्रश्नपत्र से जुड़ी जानकारी लीक होने की आशंका रहती है, जिससे परीक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता प्रभावित होती है। पिछले सप्ताह एनएसयूआई (ठरवक) के प्रतिनिधिमंडल ने भी इस मुद्दे को लेकर आपत्ति दर्ज कराई थी और सख्त कार्रवाई की मांग की थी। विश्वविद्यालय प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि परीक्षा की निष्पक्षता बनाए रखना सर्वोच्च प्राथमिकता है। ह्लमान्यता प्राप्त परीक्षाओंह्व में किसी भी प्रकार की अनियमितता गंभीर मानी जाती है। मध्यप्रदेश मान्यता प्राप्त परीक्षा अधिनियम 1937 के तहत परीक्षा गोपनीयता भंग होने या गड़बड़ी पाए जाने पर कानूनी कार्रवाई का प्रावधान है।

जनसुनवाई में 105 आवेदन प्राप्त हुये

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। कलेक्टर कार्यालय में आज मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई में कलेक्टर राघवेंद्र सिंह ने नागरिकों की समस्याएं सुनी और संबंधित विभागों के अधिकारियों को त्वरित निराकरण के निर्देश दिये। साप्ताहिक जनसुनवाई में आज नागरिकों से कुल 105 आवेदन प्राप्त हुये। इनमें दोबारा आये 17 आवेदन भी शामिल थे। जनसुनवाई में आये ज्यादातर आवेदन अतिक्रमण, अवैध कब्जा, अनुग्रह सहायता, पीएम सम्मान निधि, पेंशन, लड़ाई-झगड़ा, आर्थिक सहायता, नामांतरण आदि से संबंधित आवेदन थे। जनसुनवाई में सभी संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

अपर कलेक्टर ने की राजस्व वसूली की समीक्षा

बकायदारों को अंतिम सूचना पत्र जारी करने के दिये निर्देश

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। जिले में पदस्थ राजस्व निरीक्षकों को अपर कलेक्टर अभिषेक गहलोत ने राजस्व वसूली में गति लाने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने बड़े बकायादारों राजस्व वसूली में सख्ती बरतने के निर्देश भी राजस्व निरीक्षकों को दिये। श्री गहलोत आज मंगलवार को जिला पंचायत सभाकक्ष में राजस्व वसूली की समीक्षा के लिये आयोजित को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने राजस्व निरीक्षकों को बकायदारों को अंतिम सूचना पत्र जारी कर उनसे राजस्व की बकाया राशि का शासन के पक्ष में भुगतान सुनिश्चित कराने तथा तय समय के भीतर राशि जमा नहीं करने पर नियमानुसार कार्यवाही करने कहा। अपर कलेक्टर ने ऐसे बड़े बकायादारों से वसूली में सख्ती बरतने के निर्देश राजस्व निरीक्षकों को दिये हैं, जिन्होंने अवधि समाप्त होने के बाद भी पट्टों का नवीनीकरण नहीं कराया है। बैठक में राजस्व निरीक्षकों को गोरखपुर, आधारताल और राँझी तहसील के बड़े बकायादारों की सूची भी सौंपी गई और उन्हें अंतिम नोटिस जारी कर डायवर्सन राशि का भुगतान सुनिश्चित कराने कहा गया। बड़े बकायादारों की सूची में गोरखपुर तहसील के 46, आधारताल तहसील के 30 तथा राँझी तहसील के 5 बकायेदार शामिल हैं।

रेवा सेवा समागम पर संभागीय कार्यशाला संपन्न

नर्मदा नदी को सदानीरा बनायेगी सहायक नदियां – उपाध्यक्ष मोहन नागर

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद एवं नर्मदा समग्र के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय रेवा सेवा समागम कार्यशाला का आज मंगलवार को राज्य वन अनुसंधान संस्थान के सभागार में आयोजन किया गया। कार्यशाला का शुभारंभ मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के उपाध्यक्ष पद्मसे सम्मानित मोहन नागर, महामंडलेश्वर स्वामी अखिलेश्वरानंद गिरी जी महाराज, दंडी संन्यासी नरसिंह विजयेंद्र सरस्वती जी महाराज, स्वामी गिरीशानंद सरस्वती जी महाराज, जन अभियान परिषद के पूर्व उपाध्यक्ष डॉ.जितेंद्र जामदार, कार्यपालक निदेशक डॉ बकुल लाड, सचिव नर्मदा समग्र करण कौशिक, शिवनारायण पटेल, सरदार अजित सिंग सीटू सहित सभी गणमान्य अतिथियों ने माँ नर्मदा के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर किया। नर्मदा नदी के संरक्षण, संवर्धन एवं पुनर्जीवन के कार्यों में जन सहभागिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यशाला में नर्मदा नदी का जल ग्रहण क्षेत्र, जैविक एवं परंपरागत कृषि, नर्मदा पथ, घाट संस्कृति एवं घाट संरक्षण तथा नर्मदा की सहायक नदियों का संरक्षण एवं पुनर्जीवन जैसे विषयों पर विस्तृत विचार विमर्श किया गया। कार्यशाला के प्रारंभ में जन अभियान परिषद के उपाध्यक्ष पद्ममोहन नागर ने सदानीरा और निर्मल नर्मदा की अवधारणा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि नर्मदा केवल एक नदी नहीं बल्कि मध्यप्रदेश की आस्था संस्कृति और जीवन का आधार है। उन्होंने नर्मदा के सरंक्षण और संवर्धन में सहायक नदियों के पुनर्जीवन के महत्व को रेखांकित कर जन-जागरूकता एवं जनभागीदारी बढाने के लिये सतत प्रयास करने का आह्वान किया।

डॉ स्वामी गिरीशानंद सरस्वती जी ने न्यायालयीन निदेर्शों के अनुरूप नर्मदा संरक्षण कार्यों को गति देने तथा जनसहभागिता बढ़ाने पर अपने विचार व्यक्त किये। स्वामी अखिलेश्वरानंद गिरी ने नर्मदा सेवा यात्रा के सकारात्मक प्रभावों का उल्लेख करते हुए नर्मदा के आध्यात्मिक, सांस्कृतिक, वैज्ञानिक आर्थिक महत्व पर जानकारी दी। कार्यपालक निदेशक डॉ बकुल लाड़ ने कार्यक्रम की रूपरेखा एवं उद्देश्यों से सभी को अवगत कराया। डॉ जितेंद्र जामदार, सचिव नर्मदा समग्र करण कौशिक एवं कार्तिक सप्रे ने भी नर्मदा संरक्षण पर अपने विचार व्यक्त किये। कार्यशाला में आयोजित तकनीकी सत्रों के पहले सत्र में नर्मदा पथ एवं परिक्रमा विषय पर संतों एवं विषय विशेषज्ञों ने चर्चा करते हुए इसके धार्मिक, सांस्कृतिक एवं सामाजिक महत्व पर प्रकाश डाला तथा परिक्रमा मार्ग के विकास एवं संरक्षण हेतु आवश्यक उपायों पर विचार किया गया। द्वितीय सत्र में नर्मदा जलग्रहण क्षेत्र एवं जैविक एवं पारंपरिक कृषि विषय पर विस्तृत मार्गदर्शन दिया गया। इस दौरान प्राकृतिक खेती, वर्मी कम्पोस्ट, जैविक खाद एवं पर्यावरण अनुकूल कृषि पद्धतियों को अपनाने पर बल दिया गया तथा किसानों को इसके दीर्घकालीन लाभों से अवगत कराया गया। तृतीय सत्र में घाट संस्कृति एवं घाट संरक्षण विषय पर चर्चा के दौरान घाटों के सांस्कृतिक, धार्मिक एवं सामाजिक महत्व को रेखांकित किया गया। साथ ही घाटों की स्वच्छता, संरक्षण एवं सुव्यवस्थित प्रबंधन पर आवश्यक उपायों की जानकारी दी गई। चतुर्थ सत्र में नर्मदा नदी एवं उसकी सहायक नदियों के संरक्षण, संवर्धन एवं पुनर्जीवन विषय पर विस्तार से मार्गदर्शन दिया गया। इस सत्र में कार्ययोजना के प्रभावी क्रियान्वयन, सहभागी संस्थाओं एवं व्यक्तियों की भूमिका, समयबद्ध क्रियान्वयन एवं विभिन्न चरणों में किए जाने वाले कार्यों की विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यक्रम के समापन पर सभी प्रतिभागियों द्वारा नर्मदा संरक्षण, जल संवर्धन का पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया गया।

म.प्र. राज्य अधिवक्ता परिषद के आगामी चुनाव वर्ष 2026 में सदस्य पद हेतु आपकी
प्रथम वरीयता मत का आकांक्षी
गोपाल सिंह बघेल (अधिवक्ता)

म.प्र. उच्चन्यायालय जबलपुर (म.प्र.)
पता - हॉल नं 3 सीट नं 7 विधि भवन, म.प्र. उच्चन्यायालय जबलपुर (म.प्र.)
कार्यालय-निवास
कृष्णा कॉलोनी के पास राज परिसर सुहागी, जबलपुर (म.प्र.)
Mob.: 9229653295, 8989141208, 7987512717

V-eServices
CSC Service Provider
Vineet Sen 7724012477
Online Form: MP POLICE, MPPSC, UPSC, SSC, RAILWAY, BANK, COLLEGE, RTE SCHOOL, INDIAN ARMY, INDIAN NAVY, NDA, NEET
Document: जीएसटी, पासपोर्ट, ITR Returns, पैन कार्ड, आयुष्मान कार्ड, समग्र आईडी, श्रमिक कार्ड, ड्राईविंग लाईसेंस, रोजगार पंजियन, उद्योग आधार, स्कॉलरशिप फार्म
E-CARD: WEDDING INVITATION VIDEO, BANNER DESIGN, VISITING CARD, BIRTH DAY INVITATION, INAUGRATION, OTHER E-CARD
Quick Job Apply
बार कोड स्केन कर, व्हाट्सएप चैनल से जुड़े
सरकारी एवं प्रायवेट जॉब के नोटिफिकेशन पाने के लिए व्हाटसएप चैनल Quick Job Apply से जुड़ें। जहां आपको प्रतिदिन जॉब के नोटिफिकेशन प्राप्त होंगे।
जॉब नोटिफिकेशन और फार्म अप्लाई करने का सबसे विश्वसनीय प्लेटफार्म
व्हाट्सएप के माध्यम से घर बैठे ही फार्म भरवायें और समय बचायें।

युवक ने राजस्व कार्यालय में हंगामा कर शासकीय कार्य मे डाला बाधा, कर्मचारी को दी धमकी, मामला दर्ज

राजस्व न्यायालय में भूमि प्रकरण का था मामला

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनूपपुर। जिले के राजस्व कार्यालय में उस समय हड़कंप मच गया जब एक युवक ने कार्यालय में घुसकर सरकारी कर्मचारी के साथ अभद्रता करते हुए गाली-गलौज की और जान से मारने की धमकी दे डाली। घटना से कुछ देर के लिए कार्यालय का कामकाज भी प्रभावित हो गया। मामले को गंभीरता से लेते हुए अनुविभागीय दंडाधिकारी (एसडीएम) ने पुलिस को कार्रवाई के निर्देश दिए, जिसके बाद कोतवाली पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार राजस्व कार्यालय अनूपपुर में पदस्थ रीडर-1 शिवम पाठक अपने शासकीय दायित्वों का निर्वहन कर रहे थे। इसी दौरान ग्राम सकोला निवासी दिलेन्द्र पाठक कार्यालय में पहुंचा और किसी राजस्व प्रकरण को लेकर विवाद करने लगा। आरोप है कि विवाद के दौरान उसने रीडर के साथ गाली-गलौज करते हुए अभद्र व्यवहार किया और गुंडागर्दी करते हुए जान से मारने की धमकी भी दी। घटना के दौरान आरोपी ने कार्यालय में हंगामा करते हुए शासकीय कार्य में भी बाधा उत्पन्न की। इस दौरान कुछ कर्मचारियों ने बीच-बचाव कर स्थिति को शांत कराने की कोशिश की। घटना की जानकारी तत्काल वरिष्ठ अधिकारियों को दी गई। आरोपी ने शासकीय कार्यालय में प्रवेश कर न केवल कर्मचारी के साथ अभद्रता की बल्कि धमकी देकर सरकारी कामकाज में व्यवधान भी उत्पन्न किया। कार्यालय परिसर में वीडियो बनाकर कर्मचारियों और कार्यालय की छवि धूमिल करने का प्रयास किया गया। थाना कोतवाली अनूपपुर ने आरोपी दिलेन्द्र पाठक के खिलाफ अपराध क्रमांक 157/26 दर्ज किया है। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा 296(बी), 351(2), 221 और 224 के तहत मामला पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ कर दी है। शिकायत रीडर-1 शिवम पाठक द्वारा लिखित रूप में दी गई थी, जिसमें आरोपी पर शासकीय कार्य में बाधा पहुंचाने, गाली-गलौज करने और जान से मारने की धमकी देने के आरोप लगाए गए हैं। आरोपी भूमि प्रकरण में राजस्व कार्यालय पहुँचा था। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और घटना से जुड़े सभी पहलुओं की पड़ताल की जा रही है।

जनपद उपाध्यक्ष ने थाना प्रभारी पर लगाया, धमकी व अभद्रता का आरोप, एसपी से हुई शिकायत

दैनिक रेवांचल टाइम्स शहडोल। जिले के बुढार थाना के अंतर्गत जनपद पंचायत बुढार के उपाध्यक्ष ने थाना प्रभारी पर अभद्र व्यवहार और शिकायत दर्ज न करने का आरोप लगाते हुए पुलिस अधीक्षक से शिकायत की है। जिले के विवादित थाना बुढार एक बार फिर सुर्खियों में आ गया है। इस बार मामला जनपद पंचायत बुढार के उपाध्यक्ष के साथ थाना प्रभारी द्वारा कथित अभद्र व्यवहार का है। जनपद उपाध्यक्ष ने इस संबंध में पुलिस अधीक्षक शहडोल को लिखित शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की है। मिली जानकारी के अनुसार जनपद पंचायत बुढार के उपाध्यक्ष हर्ष प्रताप सिंह ने पुलिस अधीक्षक को भेजे शिकायत पत्र में बताया कि 24 फरवरी को वे अपने साथ हुई अभद्रता और जानलेवा हमले की शिकायत दर्ज कराने के लिए बुढार थाना पहुंचे थे। उनके साथ सहायक लेखाधिकारी देवेंद्र कुमार गौतम भी मौजूद थे,शिकायत में आरोप लगाया गया है कि थाना प्रभारी विनय सिंह ने उनकी बात सुनने के बजाय उनके साथ अभद्र व्यवहार किया और कथित रूप से गाली-गलौज करते हुए धमकी भी दी। शिकायत में यह भी उल्लेख किया गया है कि थाना प्रभारी द्वारा उनकी शिकायत पर प्राथमिकी दर्ज करने से इनकार कर दिया गया और कहा गया कि उन्हें किसी झूठे केस में फंसाकर उनका राजनीतिक करियर खत्म कर दिया जाएगा, इस व्यवहार से आहत होकर जनपद उपाध्यक्ष ने पूरे मामले की लिखित शिकायत पुलिस अधीक्षक से करते हुए निष्पक्ष जांच और कार्रवाई की मांग की है। शिकायत की प्रतिलिपि पुलिस महानिदेशक भोपाल, पुलिस महानिरीक्षक शहडोल संभाग और पुलिस उप महानिरीक्षक शहडोल को भी भेजी गई है।

धड़ल्ले से हो रही पेड़ों की कटाई, वन विभाग के अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर उठ रहे सवाल, जिम्म्मेदार मौन

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनूपपुर। जिले कोतमा वन परिक्षेत्र के सकोला बीट (आरएफ 463) में भालूमाड़ा वार्ड क्रमांक 16 के पास 13 , 14 और 15 मार्च को बड़े पेड़ों की कटाई की घटनाएं सामने आई हैं। स्थानीय निवासियों के अनुसार, सेमर और नीलगिरी के बड़े पेड़ काटे गए और लकड़ी ले जाने के लिए ट्रैक्टर का उपयोग किया गया, जिससे वन संपदा को गंभीर खतरा पैदा हुआ है। बीट गार्ड बिहारी लाल रजक ने बताया कि केवल सूखी लकड़ी काटी गई और पीओआर (वन अपराध प्रकरण) दर्ज किया गया। पीओआर नंबर सार्वजनिक नहीं किया गया है। वहीं, स्थानीय लोग इस घटना को देखकर विभागीय निगरानी पर सवाल उठा रहे हैं और आशंका व्यक्त कर रहे हैं कि कटाई बड़े पैमाने पर हुई, जबकि मौके पर प्रभावी रोक नहीं दिखी। स्थानीय ग्रामीणों ने कहा कि यदि अवैध कटाई पर समय रहते नियंत्रण नहीं हुआ, तो वे उच्च अधिकारियों (डीएफओ (डीएफओ), अनूपपुर मुख्य वन संरक्षक (सीसीएफ), शहडोल) से निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग करेंगे। शहडोल के मुख्य वन संरक्षक (सीसीएफ) ने इस गंभीर मामले में डीएफओ अनूपपुर को सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। विभाग ने आश्वासन दिया है कि मामले की समीक्षा की जा रही है और आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। इस प्रकार की घटनाओं से जंगलों की सुरक्षा और वन विभाग की निगरानी क्षमता पर प्रश्न खड़े होते हैं। नागरिकों की चेतावनी और अधिकारियों की कार्रवाई पर नजर बनाए रखना आवश्यक है, ताकि भविष्य में वन संपदा की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

इनका कहना है।

सेमर की लकड़ी काटे जाने की बात की जानकारी कल ही मुझे हुई है, इस संबंध में मैंने डीएफओ अनूपपुर को कार्यवाही करने के निर्देश दिए हैं, पीओआर काट कर वन अपराध पंजीकृत करते हुए मामले की जांच कराई जा रही है।

सीसीएफ वन विभाग शहडोल

"मैं अभी हाथी ड्यूटी में हूं पी ओ आर काटकर वन अपराध दर्ज किया गया है आगे की कार्यवाही जारी है"

हरीश तिवारी, रेंजर कोतमा

अवैध रेत परिवहन पर मामला दर्ज, रेत माफिया ने आरक्षक के खाते में डाले 5 हजार

दैनिक रेवांचल टाइम्स शहडोल। जिले के खैरहा थाना क्षेत्र में अवैध रेत उत्खनन पर कार्रवाई के बाद एक आरोपी ने पुलिसकर्मी की छवि खराब करने के इरादे से उसके खाते में बिना जानकारी के पैसे ट्रांसफर कर दिए। मामले के सामने आते ही विभाग में हड़कंप मच गया है और पूरे घटनाक्रम की जांच शुरू कर दी गई है, जिसमें कई चौंकाने वाले खुलासे होने की संभावना जताई जा रही है। खैरहा थाना क्षेत्र के एक नाले से ट्रैक्टर-ट्रॉली के माध्यम से अवैध रेत का उत्खनन और परिवहन किया जा रहा था। मुखबिर से सूचना मिलने पर थाना प्रभारी उमा शंकर चतुर्वेदी के निर्देश पर टीम गठित कर प्रधान आरक्षक संतोष धुर्वे, आरक्षक सतीश चौरसिया और आरक्षक आलोक को मौके पर भेजा गया। पुलिस टीम के पहुंचते ही ट्रैक्टर चालक विपिन द्विवेदी वाहन लेकर भागने की कोशिश करने लगा, लेकिन पुलिस ने उसे पकड़ लिया और रेत से लोड ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त कर लिया। आरोपी को हिरासत में लेकर थाने लाया गया, जहां उसके खिलाफ खनिज अधिनियम सहित अन्य धाराओं में मामला दर्ज कर नोटिस देकर छोड़ दिया गया। कार्रवाई के दौरान एक आरक्षक का फोन पर लगातार कॉल भी आते रहे, जिनमें कथित रूप से दूसरे थाने के एक पुलिसकर्मी द्वारा आरोपी को छोड़ने का दबाव बनाया गया, लेकिन खैरहा पुलिस ने निष्पक्ष कार्रवाई करते हुए वाहन जब्त कर लिया। जब आरोपी विपिन द्विवेदी ने थाने से बाहर निकलते ही कार्रवाई में शामिल आरक्षक के फोन-पे खाते में बिना जानकारी के 5 हजार रुपये ट्रांसफर कर दिए। आरक्षक ने बताया कि उस समय वह थाने में ही मौजूद था और अचानक पैसे आने पर जांच करने पर पता चला कि राशि आरोपी के खाते से भेजी गई है। थाना प्रभारी उमा शंकर चतुर्वेदी ने मंगलवार सुबह बताया कि आरक्षक ने इस संबंध में शिकायत दर्ज कराई है। प्रथम दृष्टया यह पुलिसकर्मी को फंसाने की साजिश लग रही है। मामले की जांच की जा रही है आरोपी पर जिले के अलग अलग थाने में कई मामले दर्ज बताए जा रहे हैं।

शराब व पार्टी के लिए रुपए न देने पर की गाली गलौच, जान से मारने की धमकी, आरोपी गिरफ्तार

दैनिक रेवांचल टाइम्स शहडोल। जिले के ब्यौहारी थाना क्षेत्र में अड़ीबाजी कर पैसे वसूलने वाले आरोपी को पुलिस ने महज 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर दिया है। मामले में ग्राम भमरहा द्वितीय निवासी कमलेश प्रसाद द्विवेदी ने सोमावर को थाना ब्यौहारी में शिकायत दर्ज कराई थी कि आरोपी बालकृष्ण उर्फ बाली शुक्ला ने शराब पीने और पार्टी करने के लिए एक हजार रुपये की मांग की। जब फरियादी ने पैसे देने से इनकार किया, तो आरोपी ने उसे गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी। इतना ही नहीं, आरोपी ने जबरन डराकर फरियादी की पैंट की जेब से पांच हजार रुपये भी निकाल लिए। पुलिस ने शिकायत के आधार पर आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 296(ए), 119(1) और 351(2) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की। विवेचना के दौरान पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। थाना ब्यौहारी पुलिस ने आरोपी को पकड़कर न्यायालय में पेश किया, जहां से आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। इस पूरी कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक जियाउल हक के नेतृत्व में पुलिस टीम ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। टीम में एक उप निरीक्षक एवं प्रधान आरक्षक हरपाल सिंह और आरक्षक गंगा सागर गुप्ता शामिल रहे।

महिलाएँ आयोजित करेंगी त्रिदिवसीय भव्य नाट्य-समारोह

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनुपपुर। की कुछ संभ्रांत महिलाओं ने, बेथेल स्कूल अनूपपुर के प्रांगण में एक भव्य नाट्य समारोह का आयोजन किया है जिसमें इप्टा (भारतीय जन नाट्य संघ) का राज्य सम्मेलन भी होगा। यह कार्यक्रम 3-4-5 अप्रैल को संपन्न होगा। अप्रैल 3- शुक्रवार को जनगीतों की श्रृंखला (अशोक नगर के कलाकारों द्वारा) असमंजस बाबू (प्रयागराज की समानांतर संस्था द्वारा) अप्रैल 4- शनिवार संसद से सड़क तक (प्रसिद्ध फिल्म व टीवी कलाकार राजेन्द्र गुप्ता मुंबई के द्वारा) दास्तान ए अशफाक (इप्टा वाराणसी के द्वारा) अप्रैल 5- रविवार बहत्तर मील (जबलपुर की विवेचना संस्था द्वारा) यह बहुत ही रोचक व भव्य कार्यक्रम होगा इसमें इप्टा के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रसन्ना, राष्ट्रीय इप्टा के सदस्य अमिताभ पांडेय खगोल विज्ञानी, इप्टा के राष्ट्रीय महासचिव तनवीर अख़्तर, इप्टा के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष राकेश वेदा आदि शिरकत करेंगे। सभी से अनुरोध किया गया है कि इस ऐतिहासिक कार्यक्रम में शामिल होकर सफल बनाये।

अभाविप ने कॉलेज की समस्याओं के खिलाफ खोला मोर्चा, सौपा ज्ञापन, समाधान नही तो होगा उग्र आंदोलन

दैनिक रेवांचल टाइम्स उमरिया। शासकीय महाविद्यालय पाली में व्याप्त अव्यवस्थाओं को लेकर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अइश्ढ) द्वारा सौंपा गया ज्ञापन अब केवल कॉलेज प्रशासन तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह सीधे तौर पर भाजपा सरकार के शिक्षा संबंधी दावों पर भी सवाल खड़े कर रहा है। एक ओर सरकार बेहतर शिक्षा और सुविधाओं की बात करती है, वहीं दूसरी ओर उसी विचारधारा से जुड़े छात्र संगठन ने जमीनी हकीकत उजागर कर दी है। ज्ञापन में परिषद ने महाविद्यालय की कई गंभीर समस्याओं को सामने रखा है। केमिस्ट्री प्रयोगशाला में उपकरणों की कमी के कारण छात्र-छात्राएं प्रायोगिक कार्य नहीं कर पा रहे हैं, जिससे उनकी पढ़ाई पर सीधा असर पड़ रहा है। वहीं, गर्ल्स कॉमन रूम और बीए बिल्डिंग में शौचालय की सुविधा न होना छात्राओं के लिए बड़ी परेशानी बन चुका है। यह स्थिति न सिर्फ असुविधाजनक है, बल्कि सरकार के बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ जैसे अभियानों पर भी सवाल खड़े करती है। इसके अलावा कॉलेज में एनसीसी की सुविधा का अभाव, शिक्षकों की कमी, खेल मैदान न होना और आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं का न होना छात्रों के समग्र विकास में बड़ी बाधा बन रहा है। छात्राओं के लिए सेनेटरी नैपकिन मशीन तक उपलब्ध नहीं है, जबकि इसके लिए हर वर्ष बजट आवंटित किया जाता है। ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर यह राशि खर्च कहां हो रही है। अभाविप कार्यकताओं ने आकाश तिवारी के नेतृत्व में ज्ञापन के माध्यम से साफ चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही इन समस्याओं का समाधान नहीं किया गया, तो वे उग्र आंदोलन करने के लिए मजबूर होंगे। खास बात यह है कि जिस संगठन को आमतौर पर भाजपा का छात्र विंग माना जाता है, वही अब सरकार की नीतियों और दावों की पोल खोलता नजर आ रहा है। इस पूरे घटनाक्रम ने भाजपा सरकार की शिक्षा व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिन्ह लगा दिया है।

बस स्टैंड में फल ठेले में लगाई आग, 50 हजार का नुकसान, युवक पर जताई शंकां

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनुपपुर। जिले के बदरा बस स्टैंड में एक फल विक्रेता के ठेले में आग लगाने का मामला सामने आया है आग लगने से ठेले में रखा फल और पूरा ठेला जलकर राख हो गया, जिससे दुकानदार को करीब 45 से 50 हजार रुपये तक का नुकसान हुआ है। पीड़ित ने मामले की शिकायत थाना भालूमाड़ा में दर्ज कराते हुए एक व्यक्ति पर शंका जाहिर की है प्राप्त जानकारी के अनुसार बदरा बस स्टैंड में नारायण दास चौधरी का फल का ठेला संचालित होता है, जिससे वह अपने परिवार का भरण-पोषण करते हैं। बीती रात अज्ञात कारणों से ठेले में आग लग गई, जिससे ठेले में रखा पूरा फल और सामान जलकर नष्ट हो गया आसपास मौजूद लोगों ने आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन तब तक काफी नुकसान हो चुका था इस संबंध में रविदास चौधरी पिता नारायण दास चौधरी ने बताया कि उनके पिता लंबे समय से बदरा बस स्टैंड में फल बेचने का काम करते हैं। देर रात किसी अज्ञात व्यक्ति ने ठेले में आग लगा दी, जिससे फल सहित पूरा ठेला जल गया। उन्होंने बताया कि इस घटना में करीब 45 से 50 हजार रुपये तक का नुकसान हुआ है फरियादी द्वारा थाने में दी गई रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि उसका पहले राकेश चौधरी से विवाद हो चुका है। फरियादी का कहना है कि राकेश चौधरी उससे रंजिश रखता था, इसलिए उसे शंका है कि संभवतः उसी ने ठेले में आग लगाई होगी

संपादकीय

वोट छीनने के चुनाव

असम, केरलम, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और संघशासित क्षेत्र पुडुचेरी में चुनावों की घोषणा एक असमंजस, संकट और गहरे सवालों के साथ की गई है। इन चार राज्यों और संघशासित क्षेत्र में कुल 17.4 करोड़ मतदाता अपने संवैधानिक मताधिकार का इस्तेमाल कर सरकारें चुनेंगे, लेकिन यह पहली बार हो रहा है कि 1 करोड़ 65 लाख से अधिक मतदाताओं का मताधिकार ही छीन लिया गया है। चुनाव आयोग के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बाद इतने मतदाताओं के नाम काट दिए गए हैं। क्या वे सभी घुसपैठिए बांग्लादेशी या रोहिंग्या थे? चुनाव आयोग इस सवाल पर स्पष्टीकरण नहीं देता। सबसे संवेदनशील और एक हद तक असंवैधानिक मामला पश्चिम बंगाल का है। वहां एसआईआर के तहत 63.66 लाख मतदाताओं के नाम काट दिए गए थे, लेकिन बाद में 10 लाख से अधिक मतदाताओं के दावे सही पाए गए, लिहाजा उन्हें मतदाता-सूची में शामिल कर लिया गया। अब भी 50 लाख से अधिक मतदाताओं की जांच जारी है, न्यायिक अधिकारी जांच कर रहे हैं और इसी बीच चुनावों की घोषणा कर दी गई। क्या ये 50 लाख से अधिक मतदाता वोट नहीं दे पाएंगे? क्या इतने व्यापक स्तर पर मताधिकार से वंचित कर चुनाव कराए जा सकते हैं? यह जांच कोलकाता उच्च न्यायालय की निगरानी में जारी है। बंगाल का यह मामला सर्वोच्च अदालत में भी उठ चुका है, लेकिन कोई स्पष्ट जवाब नहीं है कि इतने वोटों को काट देना क्या असंवैधानिक नहीं है? मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की दलील थी कि जो मतदाता जांच के दायरे में हैं और अभी उनके नाम मतदाता-सूची में दर्ज नहीं हैं, कमोबेश उन्हें विधानसभा चुनाव में वोट देने का अधिकार बहाल रखा जाए, लेकिन चुनाव आयोग नहीं माना। नतीजतन बंगाल में 50 लाख से अधिक मतदाता इस चुनाव में वोट नहीं दे सकेंगे। क्या भारत का लोकतंत्र और संविधान इसीलिए ह्यमहानह्ण हैं? क्या चुनाव आयोग संविधान से भी ऊपर और निरंकुश है? यदि संदिग्ध मतदाता जांच के बाद सही पाए गए और चुनाव भी सम्पन्न हो गए और वे मताधिकार से वंचित रहे, तो इसका जिम्मेदार कौन होगा? क्या मुख्य चुनाव आयुक्त और दोनों आयुक्त बर्खास्त किए जा सकते हैं? कदापि नहीं, क्योंकि संविधान में सिर्फ महाभियोग के जरिए ही इन आयुक्तों को बाहर का रास्ता दिखाया जा सकता है। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ लोकसभा के 130 और राज्यसभा के 63 सांसदों ने हस्ताक्षर कर महाभियोग के नोटिस दे रखे हैं, लेकिन ज्ञानेश को नैतिकता की कोई चिंता नहीं है। वह राजनीतिक सवालों पर टिप्पणी भी नहीं करते और मीडिया के सवालों के जवाब भी नहीं देते। क्या वह अति-संवैधानिक अधिकारी हैं? आश्चर्य तो यह है कि इतने व्यापक स्तर पर मताधिकार छीनने का काम किया गया है और सर्वोच्च अदालत हस्तक्षेप नहीं कर सकती। क्या उसकी यही संविधान-संरक्षक की भूमिका है? बंगाल ही नहीं, एक और मामला बेहद महत्वपूर्ण और संविधान पर सवालिया है। केरलम के करीब 40 लाख नागरिक खाड़ी देशों में काम कर रहे हैं। तमिलनाडु के भी 11 लाख से अधिक नागरिक खाड़ी देशों में हैं। वे अब भी भारतीय नागरिक हैं। उनका पासपोर्ट और अन्य दस्तावेज भी भारतीय हैं। वे औसतन 50-51 अरब डॉलर भारत में अपने ह्यघरोंह्ण को भेजते हैं। यह धन भारतीय बैंकों में आता है, लिहाजा भारत की जीडीपी को भी बढ़ाता है। क्या चुनाव आयोग ने मतदाता-सूची शुद्धिकरण में इन 51 लाख से अधिक भारतीयों को भी ह्यवोटरह्ण माना है? इसका भी कोई स्पष्ट जवाब नहीं है। असम को छोड़ कर सभी राज्यों में एसआईआर का अभियान सम्पन्न हो चुका है। अधिकांश अल्पसंख्यक, दलित, आदिवासी नाम काटे गए हैं। प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा ने घुसपैठियों के जरिए जनसांख्यिकी बदलाव पर गहरी चिंता व्यक्त की है। बहरहाल, चुनाव आयोग की निष्पक्षता और तटस्थता पर सवाल उठाए जा रहे हैं।

राजनीतिक जंग के आगाज में लोकतांत्रिक मूल्य फिर दांव पर

इन चुनावों का महत्व केवल राजनीतिक सत्ता परिवर्तन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह देश के लोकतांत्रिक स्वास्थ्य की भी परीक्षा है। विशेष रूप से पश्चिम बंगाल में लंबे समय से राजनीतिक संघर्ष और टकराव की स्थिति देखने को मिलती रही है। वहां सत्तारूढ़ दल तृणमूल कांग्रेस और मुख्य विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी के बीच तीखी राजनीतिक प्रतिस्पर्धा है। भारत जैसे विशाल लोकतांत्रिक देश में चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन की प्रक्रिया नहीं होते, बल्कि वे लोकतंत्र की परिपक्वता, जनविश्वास और राजनीतिक संस्कृति की परीक्षा भी होते हैं। जब किसी राज्य या क्षेत्र में चुनाव की घोषणा होती है तो स्वाभाविक रूप से राजनीतिक गतिविधियां तेज हो जाती हैं, आरोप-प्रत्यारोप का दौर चलता है और दल अपने-अपने एजेंडे को लेकर जनता के बीच पहुंचते हैं। किंतु इस पूरी प्रक्रिया के केंद्र में एक संस्था की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है-भारत का चुनाव आयोग। यही संस्था सुनिश्चित करती है कि चुनाव स्वतंत्र, निष्पक्ष और हिंसा-मुक्त वातावरण में संपन्न हों। इस बार असम, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और केरल जैसे चार बड़े राज्यों तथा केंद्रशासित प्रदेश पुडुचेरी में विधानसभा चुनावों की घोषणा के साथ ही देश की राजनीतिक सरगर्मियां तेज हो गई हैं। इन पांचों स्थानों की कुल 824 विधानसभा सीटों पर मतदान होना है और देश के 17.4 करोड मतदाताओं के मन एवं मानसिकता की जानकारी भी मिलेगी। पिछली बार की तुलना में इस बार मतदान कम चरणों में संपन्न कराया जा रहा है, जो प्रशासनिक दृष्टि से एक महत्वपूर्ण परिवर्तन माना जा सकता है।

असम, केरल और पुडुचेरी में जहां 9 अप्रैल को मतदान प्रस्तावित है, वहीं तमिलनाडु की सभी 234 सीटों पर 23 अप्रैल को मतदान होना है। दूसरी ओर पश्चिम बंगाल में चुनाव दो चरणों में आयोजित किए जा रहे हैं-पहले चरण में 23 अप्रैल को 152 सीटों पर और दूसरे चरण में 29 अप्रैल को 142 सीटों पर मतदान होगा। इन चुनावों की ओर पूरे देश की निगाहें लगी हुई हैं, क्योंकि इनके परिणाम केवल इन राज्यों की राजनीति ही नहीं बल्कि राष्ट्रीय राजनीतिक परिदृश्य को भी प्रभावित कर सकते हैं।

इन चुनावों का महत्व केवल राजनीतिक सत्ता परिवर्तन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह देश के लोकतांत्रिक स्वास्थ्य की भी परीक्षा है। विशेष रूप से पश्चिम बंगाल में लंबे समय से राजनीतिक संघर्ष और टकराव की स्थिति देखने को मिलती रही है। वहां सत्तारूढ़ दल तृणमूल कांग्रेस और मुख्य विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी के बीच तीखी राजनीतिक प्रतिस्पर्धा है। इस प्रतिस्पर्धा के कारण कई बार चुनावी हिंसा और राजनीतिक तनाव की घटनाएं भी सामने आती रही हैं। इसलिए यह चुनाव केवल सत्ता की लड़ाई नहीं बल्कि यह भी एक कसौटी है कि क्या लोकतांत्रिक प्रक्रिया हिंसा और भय से मुक्त रहकर संपन्न हो सकती है। लोकतंत्र का मूल आधार यह है कि प्रत्येक मतदाता बिना किसी दबाव, भय या प्रलोभन के अपने मताधिकार का प्रयोग कर सके। भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में इस आदर्श को बनाए रखना आसान नहीं है। चुनाव आयोग के सामने सबसे बड़ी चुनौती यही होती है कि चुनाव प्रक्रिया पूरी तरह निष्पक्ष और पारदर्शी बनी रहे। इसके लिए आयोग को सुरक्षा बलों की तैनाती, मतदान केंद्रों की व्यवस्था, इलेक्ट्रॉनिक मतदान मशीनों की सुरक्षा और मतदाता सूची की शुद्धता जैसे अनेक पहलुओं पर लगातार निगरानी रखनी पड़ती है।

इसके अतिरिक्त राजनीतिक दलों और उनके कार्यकर्ताओं के आचरण पर भी नजर रखना जरूरी होता है ताकि चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन न हो।

इन चुनावों के संदर्भ में पश्चिम बंगाल विशेष चर्चा का विषय बना हुआ है। लंबे समय से वहां राजनीतिक हिंसा और टकराव की घटनाएं सामने आती रही हैं। कई विश्लेषकों का मानना है कि इस बार वहां सत्ता परिवर्तन की संभावना के कारण राजनीतिक संघर्ष और तीखा हो सकता है। सत्तारूढ़ नेतृत्व का प्रतिनिधित्व करने वाली ममता बनर्जी की सरकार के सामने सत्ता बनाए रखने की चुनौती है, वहीं विपक्ष अपनी पकड़ मजबूत करने की कोशिश कर रहा है। इस परिस्थिति में चुनाव आयोग की जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है कि वह मतदान प्रक्रिया को निष्पक्ष और शांतिपूर्ण बनाए रखे। दूसरी ओर केरल और तमिलनाडु की राजनीति भी अपने विशिष्ट स्वरूप के कारण चर्चा में रहती है। केरल में आमतौर पर सत्ता दो प्रमुख राजनीतिक मोर्चों के बीच बदलती रही है, जबकि तमिलनाडु की राजनीति क्षेत्रीय दलों के प्रभाव के लिए जानी जाती है। इन राज्यों में चुनावी प्रतिस्पर्धा तीव्र होती है, किंतु अपेक्षाकृत शांतिपूर्ण वातावरण में मतदान की परंपरा भी देखने को मिलती है। असम की स्थिति भी अलग है, जहां पूर्वोत्तर भारत की राजनीति के संदर्भ में चुनाव के परिणाम महत्वपूर्ण माने जाते हैं। यदि वहां सत्तारूढ़ दल फिर से सत्ता में लौटता है तो यह क्षेत्रीय राजनीति के लिए एक महत्वपूर्ण संकेत माना जाएगा।

हालांकि इन सभी चुनावों के संदर्भ में एक प्रश्न लगातार उठता है कि क्या राजनीतिक दल लोकतंत्र की मर्यादाओं का पालन करने के लिए पर्याप्त गंभीर हैं। चुनावी राजनीति में प्रतिस्पर्धा स्वाभाविक है, किंतु जब यह प्रतिस्पर्धा हिंसा, घृणा और असहिष्णुता में बदल जाती है तो लोकतंत्र की मूल भावना को चोट पहुंचती है। दुर्भाग्य से कई बार राजनीतिक दल चुनाव जीतने की होड़ में लोकतांत्रिक शालीनता को नजरअंदाज कर देते हैं। आरोप-प्रत्यारोप, व्यक्तिगत हमले और हिंसक घटनाएं इस प्रवृत्ति के उदाहरण हैं। इस स्थिति में यह केवल चुनाव आयोग की जिम्मेदारी नहीं रह जाती कि वह चुनाव को निष्पक्ष बनाए। राजनीतिक दलों और उनके नेताओं की भी उतनी ही जिम्मेदारी है कि वे लोकतंत्र की गरिमा को बनाए रखें। यदि दल स्वयं ही आचार संहिता का सम्मान करें और अपने कार्यकर्ताओं को संयमित आचरण के लिए प्रेरित करें तो चुनावी प्रक्रिया कहीं अधिक स्वस्थ और सकारात्मक बन सकती है। लोकतंत्र की सफलता केवल संस्थाओं पर निर्भर नहीं करती, बल्कि राजनीतिक संस्कृति और सामाजिक चेतना पर भी निर्भर करती है।

इसके साथ ही मतदाताओं की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। लोकतंत्र में अंतिम निर्णय जनता के हाथ में होता है। यदि मतदाता जागरूक और सजग हों तो वे ऐसे नेताओं और दलों को प्रोत्साहित करेंगे जो लोकतांत्रिक मूल्यों का सम्मान करते हैं। मतदाताओं को यह समझना होगा कि उनका वोट केवल एक राजनीतिक विकल्प नहीं बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था की दिशा तय करने वाला निर्णय भी है। इन पांच क्षेत्रों में होने वाले चुनाव इसलिए भी महत्वपूर्ण हैं क्योंकि वे यह संदेश देंगे कि भारत का लोकतंत्र किस दिशा में आगे बढ़ रहा है। यदि ये चुनाव शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से संपन्न होते हैं तो यह न केवल देश के लिए बल्कि दुनिया के लिए भी एक सकारात्मक उदाहरण होगा। भारत को अक्सर दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में देखा जाता है, इसलिए यहां होने वाली चुनावी प्रक्रिया पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी नजर रहती है।

निश्चित तसौर पर यह कहा जा सकता है कि चुनाव केवल राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का मंच नहीं हैं, बल्कि वे लोकतंत्र के मूल्यों की परीक्षा भी हैं। असम, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल और पुडुचेरी में होने वाले चुनाव इस दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। यदि इन चुनावों में राजनीतिक दल संयम और जिम्मेदारी का परिचय दें, चुनाव आयोग अपनी निष्पक्षता और दृढ़ता बनाए रखे तथा मतदाता जागरूकता के साथ मतदान करें, तो यह लोकतंत्र की शक्ति को और अधिक सुदृढ़ करेगा। प्रश्न यह है कि क्या हम इन चुनावों के माध्यम से एक ऐसा आदर्श प्रस्तुत कर पाएंगे, जिसमें लोकतंत्र केवल मतपेटियों तक सीमित न रहकर शालीनता, सहिष्णुता और जनविश्वास की भावना को भी मजबूत करे। यही वह कसौटी है जिस पर इन चुनावों की सफलता या असफलता का वास्तविक मूल्यांकन किया जाएगा।

राशिफल

मेष राशि :- अपने व्यय पर नियंत्रण रखें, चिन्ता, भ्रमण व अशांति से बचिये, कष्ट होगा।

वृष राशि :- कोई शुभ समाचार प्राप्ति से हर्ष, थकावट, बेचैनी तथा धन अच्छा व्यय होगा।

मिथुन राशि :- कोई कुटुम्ब से तनाव, क्लेश व अशांति, मानसिक विभ्रम अवश्य होगा।

कर्क राशि :- अशुद्ध गोचर रहने से विशेष कार्य स्थगित रखें, तथा व्यय अनायास होवेगा।

सिंह राशि :- स्त्री वर्ग से कष्ट व चिंता, व्यय व्यवसाय तथा कार्य उत्तम बन जायेंगे।

कन्या राशि :- अधिकारियों के तनाव व क्लेश से बचिये, दैनिक कार्यगति में बाधा होगी।

तुला राशि :- अशुद्ध गोचर रहने से विशेष कार्य स्थिगित रखें, अग्नि, चोटादि का भय होगा।

वृश्चिक राशि :- अशुद्ध गोचर रहने से विशेष कार्य बाधा होगी, बने कार्य बिगड़ जायेंगे।

धनु राशि :- व्यवसाय में बेचैनी, तनाव बढ़ेगा, परिश्रम विफल होगा, शांत रहें।

मकर राशि :- चोट से कष्ट, अशुद्ध गोचर रहने से कार्य में हानि होगी।

कुंभ राशि :- स्त्री वर्ग से तनाव, क्लेश व अशांति, मानसिक विभ्रम अवश्य होगा।

मीन राशि :- समय ठीक नहीं, विशेष कार्य स्थिगित रखें, अनायास विभ्रम से अवश्य बचें।

रोज ट्रैवल करने के बावजूद स्किन को कैसे रखें क्लीन और ग्लोइंग

जब आप ट्रैवल करते हैं तो इस दौरान एसी, हीट व पॉल्यूशन की वजह से स्किन रूखी व बेजान हो जाती है। इसलिए क्लीजिंग के बाद हाइड्रेटिंग टोनर का इस्तेमाल जरूर करें। यह ना केवल पोर्स को टाइटन करता है, बल्कि स्किन हाइड्रेशन को बेहतर बनाता है। साथ ही, पॉल्यूशन से होने वाले स्किन डैमेज को कम करता है।

काम के लिए हम सभी को हर दिन घर से बाहर निकलना ही पड़ता है। लेकिन धूप, धूल और पॉल्यूशन की वजह का बुरा असर स्किन पर पड़ता है। यही वजह है कि आज के समय में कम उम्र में ही स्किन में डलनेस, ऑयल, एक्ने यहां तक कि एजिंग के साइन भी नजर आने लगते हैं।

अमूमन ऐसा होने पर हम बार-बार प्रोडक्ट्स बदलते रहते हैं, लेकिन असली गुनाहगार होती है रोज की ट्रैवलिंग और पॉल्यूशन। इसलिए, आपको अपने स्किन केयर पर सही तरह से ध्यान देना बेहद जरूरी होता है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको बता रहे हैं कि रोज ट्रैवल करने के बावजूद स्किन को क्लीन और ग्लोइंग रखने के लिए क्या करें-

सुबह में करें जेंटल क्लीजिंग

स्किन केयर की शुरूआत क्लीजिंग के साथ करें। इसके लिए आप एक सल्फेट फ्री जेंटल फेस वॉश का इस्तेमाल करें। फेस वॉश आप अपनी स्किन टाइप के अनुसार चुनें। मसलन, अगर आपकी स्किन ऑयली है तो ऐसे में सैलिसिलिक एसिड फेस वॉश का इस्तेमाल करना अच्छा रहेगा।

टोनर या मिस्ट को ना करें मिस

जब आप ट्रैवल करते हैं तो इस दौरान एसी, हीट व पॉल्यूशन की वजह से स्किन रूखी व बेजान हो जाती है। इसलिए क्लीजिंग के बाद हाइड्रेटिंग टोनर का इस्तेमाल जरूर करें। यह ना केवल पोर्स को टाइटन करता है, बल्कि स्किन हाइड्रेशन को बेहतर बनाता है। साथ ही, पॉल्यूशन से होने वाले स्किन डैमेज को कम करता है।

लगाएं लाइटवेट मॉइश्चराइजर

स्किन के लिए सीटीएम रूटीन फॉलो करना बेहद जरूरी है। इसलिए, क्लीजिंग व टोनिंग के बाद स्किन को मॉइश्चराइजर करना चाहिए। यह आपकी स्किन पर एक प्रोटेक्टिव बैरियर बनाता है और पॉल्यूशन पार्टिकल्स को सीधे स्किन में जाने से रोकता है। अगर आपकी स्किन ऑयली है तो ऐसे में जेल मॉइश्चराइजर लगाएं, जबकि नॉर्मल स्किन के लिए लाइटवेट लोशन लगाना अच्छा रहता है।

सनस्क्रीन है स्किन प्रोटेक्शन

अगर आप रोज ट्रैवल करती हैं तो स्किन प्रोटेक्शन के लिए सनस्क्रीन जरूर लगाएं। यह यूवी किरणें और पॉल्यूशन से स्किन को प्रोटेक्ट करने में मदद करता है। आप हमेशा घर से बाहर निकलने से 20 मिनट पहले इसे लगाएं और हर 3-4 घंटे में रिअप्लाई करें।

अदरक रामबाण है हाई यूरिक एसिड के लिए, दूर होगी सूजन और मांसपेशियों का दर्द

आजकल काफी लोगों में यूरिक एसिड का बढ़ने की समस्या देखने को मिल रही है। अगर इसका इलाज न किया जाए तो शरीर की हड्डियां कमजोर होने लगती हैं। ये गाउट, गठिया, हाई ब्लड प्रेशर और डायबिटीज जैसी बीमारियों की जड़ भी होती है। अदरक किस तरह से यूरिक एसिड लेवल को कम करने में मदद कर सकता आइए जानते हैं।

शरीर में यूरिक एसिड लेवल बढ़ने की समस्या कई लोगों को परेशान कर रही है। यूरिक एसिड ब्लड में पाया जाने वाला एक रसायन है, जो प्यूरीन नामक पदार्थ के टूटने पर बनता है। हेल्थ एक्सपर्ट की मुताबिक अगर एक बार यूरिक एसिड बढ़ जाए तो यह हड्डियां को पूरी तरह खराब

कर सकता है। । यूरिक एसिड बढ़ने से गाउट, गठिया, किडनी डिजीज, दिल की बीमारी हाई ब्लड प्रेशर, डायबिटीज, फैटी लिवर डिजीज और मेटाबोलिक सिड्रोम जैसी कई स्वास्थ्य समस्याओं का खतरा बढ़ जाता है। किचन में रखा ये मसाला रामबाण है और हाई यूरिक एसिड की छुट्टी कर सकता है। अदरक किस तरह से यूरिक एसिड लेवल को कम करने में मदद कर सकता आइए जानते हैं।

एक शोध के अनुसार अदरक बढ़े हुए यूरिक एसिड के लेवल को कंट्रोल कर सकती है। क्योंकि इसमें मौजूद एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटी-ऑक्सीडेंट्स गुण होते हैं, जो यूरिक एसिड को कम करने और शरीर के जोड़ों में होने वाले दर्द को कम करता है।

मांसपेशियों का दर्द होगा बंद

अदरक में जिंजरोल नाम का गुण पाया जाता है, जो यूरिक एसिड के कारण होने वाली सूजन को कम कर देता है। जब आप अदरक का सेवन करते हैं तो यह सूजन को कम करने में मदद करता और मांसपेशियों का दर्द को भी कम करता है।

अदरक से किडनी हेल्थ ठीक होती

यूरिक एसिड के बढ़ने से सबसे बुरा असर किडनी पर होता है। क्योंकि, किडनी यरिक एसिड को फिल्टर नहीं कर पाती है और बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में अदरक की चाय का सेवन करने से यूरिक एसिड में संतुलन होता है और किडनी हेल्थ भी बेहतर होती है।

इंस्टाग्राम पर आयुष्मान खुराना एरा का जश्न, साझा किया साड़ी गली का नया वर्ज?

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता-गायक आयुष्मान खुराना ने अपने सुपरहिट गाना साड़ी गली का नया वर्ज? सोशल मीडिया पर साझा किया है। आयुष्मान खुराना के संगीत को हमेशा से दर्शकों के दिलों में खास जगह मिली है। उनकी पहली फिल्म विकी डोनर के गीत पानी दा रंग से शुरू हुआ यह सफर आगे चलकर मिट्टी दी खुशबू, इक वारी, साड़ी गली जैसे कई लोकप्रिय गीतों तक पहुंचा। पिछले कुछ हफ्तों से इंस्टाग्राम पर एक दिलचस्प ट्रेंड देखने को मिल रहा है, जहां फैंस आयुष्मान के पुराने गानों को दोबारा सुनते और शेयर करते हुए आयुष्मान खुराना एरा को सेलिब्रेट कर रहे हैं। कई पोस्ट्स में कैप्शन लिखा जा रहा है। अनुव जैन से पहले हमारे पास आयुष्मान खुराना थे। इन पोस्ट्स के जरिए यह बताया जा रहा है कि कैसे आयुष्मान के संगीत ने मेनस्ट्रीम में भावनात्मक और एकॉस्टिक स्टोरीटेलिंग की जगह बनाई। फैंस के इस ऑर्गेनिक ट्रेंड को देखते हुए आयुष्मान खुराना ने अब अपने सोशल मीडिया पर साड़ी गली का एक नया वर्ज? साझा किया है। इस वीडियो के जरिए वह अपने संगीत के सफर का जश्न मनाते हुए उस सिंगर-सॉन्गराइटर को फिर से सामने लाते हैं, जिसने पहली बार दर्शकों का दिल जीता था। साड़ी गली का यह नया वर्ज? उनके शुरूआती हिट गानों से जुड़ी पुरानी यादों को ताजा करता है और यह भी साबित करता है कि सोशल मीडिया के दौर में भी उनके संगीत का श्रोताओं से गहरा जुड़ाव बना हुआ है।

आज ही बनाएं अपनी खुद की न्यूज वेबसाइट
NEW WEBSITE
बने न्यूज वेबसाइट के मालिक..

संपर्क करें 7415685293

चिरचिरा पंचायत का भ्रष्टाचार सीमा पर...

भ्रष्ट पूर्व सचिव सुखदेव सिंह ठाकुर के आगे बौना साबित होता प्रशासन एवं जिम्मेदार भ्रष्टाचार सिद्ध फिर भी कार्यवाही के नाम पर दे रहा है ना कमी का परिचय

दैनिक रेवांचल टाईम्स, सिवनी। इन दोनों भ्रष्ट और भ्रष्टाचार को मिटाने के लिए सरकार अर्थात प्रयासों में लगी हुई है वहीं भ्रष्टाचार हावी होते नजर आ रहा है वहीं भ्रष्टाचार को निरंतर जिम्मेदार दे रहे हैं बढ़ावा सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का हो रहा है शोषण जिम्मेदारों का संरक्षण भ्रष्टाचार की मिसाल कर रहा है कायम कार्रवाई या ना होने के चलते भ्रष्टाचार्यों के हैं हौसले बुलंद केवलारी जनपद के अंतर्गत आने वाली ग्चिरचिरा ग्राम पंचायत में आंगनबाड़ी भवन निर्माण कार्य में भ्रष्टाचार का मामला एक बार फिर उजागर हुआ है। पूर्व से भी लेकर अनियमित और भ्रष्टाचार को लेकर अखबारों एवं प्रशासन की सुर्खियों में चिरचिरा पंचायत बनी हुई है। दैनिक रेवांचल टाइम्स समाचार पत्र ने उक्त भ्रष्टाचार का प्रकासन प्रमुखता से किया था एवं भ्रष्टाचार किया था उजागर इस बार, पूर्व भ्रष्ट सचिव सुखदेव सिंह ठाकुर, ग्राम रोजगार सहायक आशीष नायक, और अन्य जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ गंभीर आरोप सामने आए हैं। यह मामला एक बार फिर दशार्ता है कि कैसे सरकारी धन का दुरुपयोग करके अधिकारी और जनप्रतिनिधि अपने व्यक्तिगत लाभ के लिए काम कर रहे हैं। ग्राम पंचायत चिरचिरा में आंगनबाड़ी भवन निर्माण के लिए कुल 11.22 लाख रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्राप्त की गई थी। इस कार्य के लिए

भ्रष्ट सचिव सुखदेव ठाकुर

दो किस्तों में कुल 5.59 लाख रुपये का भुगतान किया गया था। लेकिन जब विभागीय निरीक्षण हुआ, तो यह पाया गया कि निर्माण कार्य में भारी अनियमितताएँ हैं। कार्य की गुणवत्ता में कमी और अधिक राशि का आकलन किया गया था। उपयंत्री द्वारा 4.62 लाख रुपये का मूल्यांकन किया गया था, जबकि एजेंसी ने 5.66 लाख रुपये की राशि निकाली, जिससे 1.04 लाख रुपये का अतिरिक्त खर्च सामने आया।

ग्राम पंचायत चिरचिरा के पूर्व भ्रष्ट सचिव सुखदेव सिंह ठाकुर और रोजगार सहायक आशीष नायक के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोप पहले भी उठ चुके हैं।

उनका यह दुरुपयोग न केवल सरकारी योजना की गंभीरता को नकारता है, बल्कि यह भी दशार्ता है कि पंचायत स्तर पर काम करने वाले जिम्मेदार अधिकारी और जनप्रतिनिधि अपनी जिम्मेदारियों से मुंह मोड़ रहे हैं। इस मामले में विभाग द्वारा 1.04 लाख रुपये की वसूली की कार्यवाही शुरू करने का आदेश जारी किया गया है। हालांकि, यह भी एक सवाल खड़ा करता है कि अब तक क्यों इन जिम्मेदारों के खिलाफ कोई सख्त कार्रवाई नहीं की गई। क्या केवल वसूली से भ्रष्टाचार को खत्म किया जा सकता है।

इस सम्बन्ध में इनका कहना है कि...

चिरचिरा पंचायत का यह मामला केवल भ्रष्टाचार का एक उदाहरण नहीं है, बल्कि यह दशार्ता है कि प्रशासनिक दुरुपयोग और अनियमितताओं के कारण सरकारी योजनाओं का सही तरीके से क्रियान्वयन नहीं हो पा रहा है। मेरे द्वारा कुछ दस्तावेज के लिए सूचना का अधिकार प्रेषित किया गया अगर दस्तावेज प्राप्त होते हैं तो कई तरह के भ्रष्टाचार सामने उजागर होंगे।

अखिल बन्देवार समाजसेवी एवं आरटीआई एक्टिविस्ट...

आवारा कुत्तों का आतंक: स्कूटी सवार युवती नाली में गिरी, 11 टांके लगे

दैनिक रेवांचल टाईम्स, सिवनी। शहर में आवारा कुत्तों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है और अब यह आमजन के लिए जानलेवा साबित होने लगा है। इसका ताजा उदाहरण कस्तूरबा वार्ड स्थित एफ सी आई के बाजू वाली गली में देखने को मिला, जहां एक गंभीर हादसा हो गया।

जानकारी के अनुसार, एक स्कूटी सवार युवती के पीछे अचानक 4झ5 आवारा कुत्ते दौड़ पड़े। कुत्तों से बचने के प्रयास में युवती संतुलन खो बैठी और स्कूटी सहित नाली में जा गिरी। हादसे में उसके सिर में गंभीर चोट आई और गहरा घाव होने से उसे चक्कर आ गया। मोहल्ले के लोगों की मदद से घायल युवती को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसके सिर में 11 टांके लगाए। इसके अलावा हाथ, कमर और पीठ सहित शरीर के अन्य हिस्सों में भी चोट आई है, वहीं स्कूटी भी क्षतिग्रस्त हो गई। स्थानीय वार्डवासियों का कहना है कि क्षेत्र में आवारा कुत्तों का आतंक इतना बढ़ गया है कि मोहल्ले से निकलने वाले हर वाहन पर ये झपट्टा मारते हैं। आए दिन ऐसी घटनाएं हो रही हैं, जिससे लोगों में दहशत का माहौल है। नागरिकों ने नगर पालिका और प्रशासन से मांग की है कि इन आवारा कुत्तों पर सख्त कार्रवाई की जाए और उन्हें क्षेत्र से हटाकर अन्यत्र विस्थापित किया जाए। साथ ही उन लोगों पर भी कार्रवाई की मांग की गई है, जो इन कुत्तों को नियमित रूप से खाना खिलाते हैं, जिससे इनकी संख्या और आक्रामकता बढ़ रही है। वार्डवासियों का यह भी आरोप है कि पूर्व में नगर पालिका की टीम को बुलाने पर कई बार विरोध के चलते कार्रवाई रुक जाती है, लेकिन अब हालात गंभीर हो चुके हैं और तत्काल ठोस कदम उठाना जरूरी हो गया है। नागरिकों ने चेतावनी दी है कि यदि इस समस्या पर शीघ्र कार्रवाई नहीं की गई और भविष्य में कोई बड़ी दुर्घटना होती है, तो उसकी पूरी जिम्मेदारी नगर पालिका प्रशासन की होगी। साथ ही इस मुद्दे को लेकर आंदोलन करने की भी बात कही गई है।

विधायक दिनेश राय मुनमुन ने कार्यालय में सुनीं आमजन की समस्याएं

दैनिक रेवांचल टाईम्स, सिवनी। सिवनी विधानसभा क्षेत्र के विधायक दिनेश राय मुनमुन ने मंगलवार को बारापत्थर स्थित अपने कार्यालय में जनसुनवाई आयोजित कर आमजन की समस्याएं सुनीं। इस दौरान बड़ी संख्या में क्षेत्र के विभिन्न हिस्सों से पहुंचे नागरिकों ने अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए। सुबह 11 बजे से शुरू हुई जनसुनवाई में विधायक ने एक-एक आवेदक की समस्याओं को गंभीरता से सुना और संबंधित विभागों के अधिकारियों को त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। जनसुनवाई में व्यक्तिगत एवं सार्वजनिक हित से जुड़े विभिन्न मामलों के आवेदन सामने आए, जिन पर विधायक ने प्राथमिकता के आधार पर कार्रवाई सुनिश्चित करने की बात कही। विधायक दिनेश राय मुनमुन ने कहा कि जनता की सेवा ही उनका मुख्य उद्देश्य है और आमजन की समस्याओं का समयबद्ध समाधान किया जाना आवश्यक है। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि प्राप्त आवेदनों पर शीघ्र कार्रवाई कर लोगों को राहत प्रदान की जाए। जनसुनवाई में दूर-दराज क्षेत्रों से आए नागरिकों की भी सक्रिय सहभागिता।

जिला स्तरीय जनसुनवाई में 221 आवेदन प्राप्त, कलेक्टर ने दिए त्वरित निराकरण के निर्देश

दैनिक रेवांचल टाईम्स, सिवनी। प्रत्येक मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित होने वाली जिला स्तरीय जनसुनवाई कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। जनसुनवाई में जिलेभर से कुल 221 आवेदन प्राप्त हुए, जिनके निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए। इस अवसर पर अपर कलेक्टर सुश्री सुनीता खंडायत सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे, जबकि सभी अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) एवं विकासखंड स्तरीय अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जनसुनवाई में शामिल हुए। जनसुनवाई में प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाने, आबादी भूमि का पट्टा, धारणाधिकार पट्टा, अवैध कब्जा हटाने, एमएसपी पर धान विक्रय की राशि, सीमांकन, नक्शा-खसरा सुधार, मुआवजा राशि, गरीबी रेखा सूची में नाम जोड़ने, समग्र आईडी सुधार, वृद्धा पेंशन, सर्पदंश से मृतक के परिजनों को राहत राशि, नामांतरण की प्रति, संबल योजना सहायता, धान उपार्जन भुगतान, चिकित्सा सहायता, सिंचाई जल उपलब्ध कराने, वृक्ष कटाई अनुमति, जन्म प्रमाण पत्र तथा भूमि रिकॉर्ड सुधार से संबंधित आवेदन प्रमुख रूप से सामने आए। कलेक्टर श्रीमती पटले ने सभी आवेदनों पर नियमानुसार त्वरित कार्रवाई करते हुए शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश संबंधित विभागीय अधिकारियों को दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि आमजन की समस्याओं का समयबद्ध समाधान प्रशासन की प्राथमिकता है। जनसुनवाई में बड़ी संख्या में पहुंचे लोगों ने अपनी समस्याएं सीधे प्रशासन के समक्ष रखीं, जिससे कई मामलों में मौके पर ही निराकरण भी किया गया।

सड़क हादसा, अधेड़ घायल

निधानी के पास बाइक ने मारी टक्कर, चालक फरार

दैनिक रेवांचल टाईम्स, सिवनी। सिवनी जिले के घंसौर क्षेत्र में निधानी के पास मंगलवार सुबह एक सड़क हादसे में एक राहगीर गंभीर रूप से घायल हो गया। तेज रफ्तार बाइक की टक्कर से यह घटना हुई, जिसके बाद बाइक चालक मौके से फरार हो गया। घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र घंसौर में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार, निधानी निवासी 50 वर्षीय किसान तेज सिंह मंगलवार सुबह करीब 6 बजे सड़क किनारे पैदल जा रहे थे। इसी दौरान बाइक ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि तेज सिंह सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद आसपास मौजूद ग्रामीणों ने तुरंत घायल तेज सिंह की सहायता की। उन्होंने तत्काल 108 एम्बुलेंस सेवा को सूचना दी, जिसके बाद एम्बुलेंस टीम घटनास्थल पर पहुंची। प्राथमिक उपचार के बाद घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र घंसौर ले जाया गया, जहां उनका इलाज जारी है।प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि दुर्घटना के समय सड़क पर आवाजाही कम थी, लेकिन बाइक चालक की लापरवाही और तेज गति हादसे का कारण बनी। ग्रामीणों ने प्रशासन से क्षेत्र में तेज रफ्तार और लापरवाह वाहन चालकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

बाइक चालक की तलाश जारी

घंसौर थाना प्रभारी लक्ष्मण सिंह झारिया ने घटना की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि प्रारंभिक जांच में बाइक की टक्कर से व्यक्ति के घायल होने की बात सामने आई है। पुलिस अज्ञात बाइक चालक की तलाश कर रही है और मामले की जांच जारी है।

आरटीई के तहत निःशुल्क प्रवेश हेतु आवेदन आमंत्रित, 28 मार्च अंतिम तिथि

दैनिक रेवांचल टाईम्स, सिवनी। जिला परियोजना समन्वयक, जिला शिक्षा केंद्र सिवनी द्वारा जानकारी दी गई है कि शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए आरटीई (शिक्षा का अधिकार अधिनियम) के अंतर्गत निजी विद्यालयों में निःशुल्क प्रवेश की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। इच्छुक अभिभावक अपने बच्चों के प्रवेश हेतु ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन करने की अंतिम तिथि 28 मार्च 2026 निर्धारित की गई है। बताया गया है कि प्राप्त आवेदनों के दस्तावेजों का सत्यापन 30 मार्च 2026 तक संबंधित जनशिक्षा केंद्रों में किया जाएगा। अभिभावकों से अपील की गई है कि वे निर्धारित समय-सीमा के भीतर आवेदन कर आवश्यक दस्तावेजों का सत्यापन अवश्य कराएं, ताकि पात्र बच्चों को योजना का लाभ मिल सके।

नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी का आरोप, कलेक्टर से की शिकायत

दैनिक रेवांचल टाईम्स, सिवनी। जिले में नौकरी दिलाने के नाम पर कथित ठगी का मामला सामने आया है। इस संबंध में पीड़ित द्वारा कलेक्टर सिवनी को आवेदन देकर जांच एवं कार्रवाई की मांग की गई है। आवेदन के अनुसार, लघु उद्योग विकास परिषद के नाम पर जिले में नियुक्ति प्रक्रिया चलाने का दावा करते हुए कुछ लोगों द्वारा सैकड़ों युवाओं को नौकरी दिलाने का झांसा दिया गया। आरोप है कि जिला स्तर के पदों पर नियुक्ति का भरोसा दिलाकर आवेदकों से पैसे भी लिए गए। शिकायतकर्ता ने बताया कि जनवरी 2025 से यह प्रक्रिया शुरू की गई थी, जिसमें सोशल मीडिया और पंपलेट के माध्यम से जानकारी दी गई। आवेदकों को भरोसा दिलाया गया कि उन्हें सरकारी नौकरी मिलेगी, हर माह वेतन दिया जाएगा, साथ ही बीमा, वेतन वृद्धि और अन्य सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाएंगी। आरोप है कि नियुक्ति के बाद संबंधित लोगों से कार्य भी कराया गया, जैसे योजनाओं की जानकारी गांव-गांव तक पहुंचाना, सर्वे करना, महिलाओं को प्रशिक्षण देना आदि। इसके बावजूद आज तक न तो किसी प्रकार का वेतन दिया गया और न ही वादे के अनुसार सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं। आवेदन में यह भी उल्लेख किया गया है कि नौकरी के नाम पर फोनपे एवं नकद के माध्यम से राशि ली गई। साथ ही मोटरसाइकिल और अन्य संसाधन उपलब्ध कराने का आश्वासन भी दिया गया था, जो पूरा नहीं किया गया। पीड़ित ने कलेक्टर से मांग की है कि मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए और पीड़ितों को उनका बकाया भुगतान दिलाया जाए। इस पूरे मामले ने जिले में रोजगार के नाम पर हो रही संभावित ठगी को लेकर चिंता बढ़ा दी है। अब देखना यह होगा कि प्रशासन इस शिकायत पर क्या कदम उठाता है।

गर्ल्स कॉलेज सिवनी में सर्वाइकल कैंसर व माहवारी स्वच्छता पर जागरूकता कार्यशाला आयोजित

दैनिक रेवांचल टाईम्स, सिवनी। गर्ल्स कॉलेज सिवनी में गूंज संस्था की ओर से सर्वाइकल कैंसर एवं माहवारी स्वच्छता प्रबंधन विषय पर एक महत्वपूर्ण जागरूकता कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं को स्वास्थ्य, स्वच्छता और महिलाओं से जुड़ी गंभीर बीमारियों के प्रति जागरूक बनाना रहा। कार्यशाला के दौरान श्रीमती अनुसूइया पटवा ने छात्राओं को सर्वाइकल कैंसर के लक्षण, बचाव और इसके टीकाकरण के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि समय पर लगाया गया टीका इस गंभीर बीमारी से बचाव में अत्यंत सहायक होता है तथा इसे किस उम्र में और किस प्रकार लगवाना चाहिए, इसकी भी जानकारी छात्राओं को दी गई। वहीं श्रीमती मनीषा चौहान ने माहवारी के दौरान स्वच्छता बनाए रखने के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने सेनेटरी पैड के सही उपयोग और उपयोग के बाद उसके सुरक्षित निस्तारण के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि माहवारी स्वच्छता प्रबंधन अपनाकर महिलाएं कैंसर सहित कई गंभीर बीमारियों से स्वयं को सुरक्षित रख सकती हैं। इस अवसर पर छात्राओं को इको-फ्रेंडली सेनेटरी पैकेट का वितरण भी किया गया, ताकि वे सुरक्षित और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार विकल्प अपना सकें। कार्यक्रम का एक विशेष क्षण उस समय रहा जब गूंज संस्था की ओर से उन छात्राओं को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया, जिन्होंने बाल विवाह के विरोध में आयोजित नुक्कड़ नाटक में भाग लेकर समाज में जागरूकता फैलाने का सराहनीय कार्य किया। गूंज संस्था का उद्देश्य युवतियों को स्वास्थ्य, स्वच्छता और सामाजिक कुरीतियों के प्रति जागरूक बनाकर उन्हें सशक्त बनाना है। कार्यक्रम में गूंज संस्था की संतोष भूरा, मीना ठाकुर, कॉलेज प्रबंधन तथा अलका उईके मैडम का विशेष सहयोग रहा।

एलपीजी सिलेंडरों के व्यावसायिक उपयोग व अवैध भंडारण पर कार्रवाई, 71 सिलेंडर जब्त

दैनिक रेवांचल टाईम्स, सिवनी। कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले के निर्देशन में जिले में घरेलू एलपीजी गैस सिलेंडरों के अनाधिकृत व्यावसायिक उपयोग एवं अवैध भंडारण के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में विभिन्न स्थानों पर की गई जांच में कुल 71 गैस सिलेंडर जब्त किए गए हैं। तहसील कुरई अंतर्गत खवासा क्षेत्र के ग्राम पचधार स्थित एक फार्महाउस के निरीक्षण के दौरान भरे एवं खाली कुल 49 कमर्शियल गैस सिलेंडर पाए गए, जिन्हें मौके से जब्त किया गया। इस कार्रवाई से क्षेत्र में हड़कंप की स्थिति बन गई। इसी तरह लखनादौन क्षेत्र के वार्ड क्रमांक-2 में एक मकान पर जांच के दौरान एचपी कंपनी के 2 भरे एवं 2 खाली घरेलू एलपीजी सिलेंडर अवैध रूप से भंडारित पाए गए, जिन्हें जब्त किया गया। ग्राम आदेगांव में एक दुकान के निरीक्षण में 6 घरेलू एलपीजी सिलेंडर पाए जाने पर उन्हें जब्त कर संबंधित गैस एजेंसी के सुपुर्द किया गया। वहीं विभिन्न ढाबों की जांच के दौरान घरेलू गैस सिलेंडरों का व्यावसायिक उपयोग करते पाए जाने पर 10 घरेलू गैस सिलेंडर जब्त किए गए। इसके अतिरिक्त सिवनी विकासखंड के इंदावाड़ी स्थित एक ढाबे में निरीक्षण के दौरान 2 घरेलू एलपीजी सिलेंडर उपयोग में पाए गए, जिन्हें भी जब्त किया गया। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि घरेलू गैस सिलेंडरों का व्यावसायिक उपयोग नियमों का उल्लंघन है और इस पर सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। लगातार हो रही इन कार्रवाइयों से अवैध गैस कारोबार में लगे लोगों में हड़कंप मचा हुआ।

कार्यालय ग्राम पंचायत जुरतरा
जनपद पंचायत सिवनी,जिला सिवनी (म.प्र.)

क्र./9/पंचा/2026 — दिनांक 8/03/26

निविदा आमंत्रण

ग्राम पंचायत जुरतरा के वर्ष 2026-27 के समस्त योजनाओं के पक्के एवं कच्चे निर्माण कार्यों के लिए सामग्री सीमेंट,रेट,गिट्टी 20एम एम , 40 एम एम, लोहा 8, एम एम,12 एम एम, मुरम, ईंट, सीमेंट पाईप 600 एम एम एवं 1000 एम एम,नल जल योजना सामाग्री, स्वच्छता सामग्री, फर्नीचर,पानी टेंकर, परिवहन हेतु ट्रैक्टर किराया, सेटिंग किराया, सांसद विधायक निधि से प्राप्त राशि आदि निर्माण कार्यों एवं मरम्मत में प्रयुक्त होने वाली सामग्री की आवश्यकता है

अतः फर्मों से कोटेशन आमंत्रित किए जाते हैं । इच्छुक फर्म दिनांक 12 मार्च 2026 से 18 मार्च 2026 तक कार्यालयीन समय में अवकाश के दिनो को छोड़कर निविदा बंद लिफाफा में जमा कर सकते हैं।

श्रीमती रेखा सोनू साहू (सरपंच) | **श्रीमती राजकुमारी धुर्वे (उपसरपंच)** | **प्रेमचंद मर्सकोले (सचिव)** | **परसू राम यादव (रोज. सहा.)**

कांग्रेसियों ने दुकानदारों को फ्री बांटा कोयला

एलपीजी संकट के विरोध में किया भोपाल में किया अनूठा विरोध-प्रदर्शन

भोपाल। रसोई और कमर्शियल गैस सिलेंडरों की कथित कमी को लेकर कांग्रेस ने अनोखे तरीके से विरोध दर्ज कराया। गोविंदपुरा विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस के पूर्व प्रदेश सचिव रविन्द्र साहू झूमरवाला ने बुधवार को बरखेड़ा पठानी क्षेत्र में दुकानदारों और आम नागरिकों के बीच कोयले का वितरण किया।

कोयला बांटकर सरकार को बताई गैस की समस्या : रविन्द्र साहू ने कहा कि गैस सिलेंडरों की उपलब्धता नहीं होने से लोगों को रोजमर्रा के काम करने में परेशानी आ रही है। ऐसे में प्रतीकात्मक विरोध के तौर पर कोयला बांटकर सरकार का ध्यान इस समस्या की ओर आकर्षित किया गया है।

सरकारी अव्यवस्था के कारण छोटे व्यापारी परेशान : साहू ने आरोप लगाया कि मौजूदा सरकार की अव्यवस्थित नीतियों के कारण आम जनता और छोटे व्यापारियों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। गैस सिलेंडरों की कमी से गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों के साथ-साथ छोटे व्यापारियों की रोजी-रोटी भी प्रभावित हो रही है। उन्होंने कहा कि सरकार केवल दावे और घोषणाएं कर रही है, जबकि जमीनी स्तर पर लोगों को गैस सिलेंडर नहीं मिल पा रहे हैं।

सिलेंडर की आपूर्ति ठीक करे सरकार : कांग्रेस नेता ने मांग की कि घरेलू और कमर्शियल गैस सिलेंडरों की आपूर्ति तुरंत सुचारु की जाए, ताकि लोगों को राहत मिल सके। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द समस्या का समाधान नहीं हुआ तो कांग्रेस पार्टी जनहित में बड़ा आंदोलन करने को मजबूर होगी। इस दौरान क्षेत्र के दुकानदारों और स्थानीय नागरिकों ने भी गैस सिलेंडरों की कमी को लेकर अपनी समस्याएं साझा कीं और नाराजगी जताई।

विधानसभा अध्यक्ष बैतूल पहुंचे, सुरभि को दी श्रद्धांजलि

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष के घर पहुंचे नरेंद्र सिंह तोमर; दिवंगत आत्मा की शांति के लिए की प्रार्थना

बैतूल। विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर मंगलवार को बैतूल पहुंचे। उन्होंने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व बैतूल विधायक हेमंत खंडेलवाल की दिवंगत पुत्री सुरभि खंडेलवाल को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान उन्होंने चंद्रमौली स्थित खंडेलवाल निवास पहुंचकर शोक संतप्त परिवार से मुलाकात की। तोमर ने हेमंत खंडेलवाल से भेंट कर अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त कीं। उन्होंने सुरभि खंडेलवाल के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी और ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

ईश्वर से परिवार को शक्ति देने की प्रार्थना : उन्होंने कहा कि यह अत्यंत दुखद घटना है। ईश्वर से प्रार्थना है कि वे परिवार को इस दुख को सहन करने की शक्ति और धैर्य प्रदान करें। उल्लेखनीय है कि बैतूल में लगातार वरिष्ठ जनप्रतिनिधि पहुंचकर श्रद्धांजलि अर्पित कर रहे हैं। इससे पहले सोमवार को कैलाश विजयवर्गीय सहित अन्य नेताओं ने खंडेलवाल निवास पहुंचकर संवेदना व्यक्त की थी। रविवार को डॉ. मोहन यादव, शिवराज सिंह चौहान और जगदीश देवड़ा भी बैतूल पहुंचकर शोक संवेदना व्यक्त कर चुके हैं।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने सुश्री समीक्षा द्विवेदी को दी उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएँ

भोपाल। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल से सुश्री समीक्षा द्विवेदी ने मंत्रालय में अपने माता-पिता के साथ सौजन्य भेंट की। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने रीवा की बेटी सुश्री समीक्षा के यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा में 56वीं रैंक प्राप्त करने की उत्कृष्ट उपलब्धि के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि सुश्री समीक्षा द्विवेदी ने इस उल्लेखनीय सफलता से रीवा, विंध्य क्षेत्र और पूरे मध्यप्रदेश का गौरव बढ़ाया है। सुश्री समीक्षा की यह सफलता प्रदेश के युवाओं के लिए प्रेरणादायी है। यह उपल?ब्धि दशार्ती है कि कठिन परिश्रम, समर्पण और लक्ष्य के प्रति दृढ़ संकल्प से किसी भी ऊंचाई को प्राप्त किया जा सकता है।

मोनालिसा की नॉर्मल शादी नहीं, प्रॉपर अप्रोप्रिएट लव जिहाद

सुप्रीम कोर्ट वकील नाजिया बोलीं- शरजील इमाम की पैरोल के बाद आतंकी संगठन एक्टिव हुए

भोपाल। कुंभ की वायरल गर्ल मोनालिसा की शादी को लेकर नया विवाद खड़ा हो गया है। सुप्रीम कोर्ट की वकील नाजिया इलाही खान ने इसे सामान्य शादी मानने से इनकार करते हुए इसे ह्लप्रॉपर अप्रोप्रिएट लव जिहादद्ध बताया है। खरगोन में फिल्म डायरेक्टर सनोज मिश्रा के साथ मीडिया से चर्चा में उन्होंने कहा कि शरजील इमाम के अपने भाई की शादी के लिए पैरोल पर बाहर आने के बाद आतंकी संगठन फिर सक्रिय हो गए हैं। उन्होंने आशंका जताई कि इस पूरे मामले में कट्टरपंथी संगठनों की भूमिका हो सकती है और इसकी जांच सुरक्षा एजेंसियों से कराई जानी चाहिए।

हिन्दू मैरिज एक्ट का उल्लंघन हुआ : नाजिया खान ने कहा- ये सिर्फ नॉर्मल शादी नहीं हैं। ये प्रॉपर अप्रोप्रिएट लव जिहाद है। इस्लामिक जिहादी रेडिकल इस्लामिस्ट और पीएफआई की मिली जुली लव जिहाद की यह पूरी कार्रवाई की गई है। इसमें हिन्दू मैरिज एक्ट 1955 का उल्लंघन किया गया है। हिन्दू सनातन धर्म में विवाह की जो प्रथा होती हैं उनका भी मिसयूज किया गया है।

कहीं न कहीं उसका भी मजाक उड़ाने का प्रयास किया गया है। क्योंकि, फरमान ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा है कि वो अभी भी मुसलमान है। तो एक मुसलमान हिन्दू प्रथा से कैसे शादी कर सकता है।अगर हिन्दू मैरिज एक्ट से वो शादी कर रहा है मंदिर में शादी कर रहा है तो उसके पास कौन सा प्रूफ है जो उसने अब तक नहीं दिखाया कि उसने पहले हिन्दुत्व कबूल किया है। उसे हिन्दुत्व कबूल करना है तब तो वो हिन्दू प्रथा से शादी कर सकता है। यहां पर हिन्दू मैरिज एक्ट का उल्लंघन हुआ है। हिन्दू रिलीजन को हर्ट करने का और मिसयूज करने का एक बड़ा क्राइम सामने आ रहा है। फिल्म डायरेक्टर सनोज मिश्रा के साथ मंगलवार को मोनालिसा के माता-पिता मंडलेश्वर पहुंचे और डीएसपी श्वेता शुक्ला की शिकायत सौंपी। फिल्म डायरेक्टर सनोज मिश्रा के साथ मंगलवार को मोनालिसा के माता-पिता मंडलेश्वर पहुंचे और डीएसपी श्वेता शुक्ला की शिकायत सौंपी।

शरजील इमाम की पैरोल के बाद एक्टिव हुए आतंकी संगठन

नाजिया ने कहा- शरजील इमाम जैसे ही अपने भाई की शादी की पैरोल पर बाहर आया है वैसे ही ये जितने भी टैररिज्म ऑर्गेनाइजेशन हैं वो एक्टिव हो चुके हैं। अभी हाल ही में हमने उत्तर प्रदेश में छांगुर पीर जलालुद्दीन को देखा कि वो कैसे लव जिहाद की स्ट्रैटजी चला रहा था।

नाजिया ने कहा- हमने केजीएन जिमखाने का मामला भी देखा। हमने बस्ती में देखा कि बस्ती में तीन मुसलमान लड़के तीन सौ से ज्यादा लड़कियों के न्यूड फोटो कराकर उनसे प्रॉस्टिट्यूशन कराने का काम भी कराने की कोशिश में लगे हुए थे। मुझे ऐसा लगता है कि केरल की सरकार ऐसे लव जिहाद और ऐसे रेडिकल इस्लामिस्ट को सहयोग कर रही है तो हमारे देश की सुरक्षा एजेंसियों को काम करना चाहिए। और अतिशीघ्र शरजील इमाम की पैरोल को कैंसिल करवाना चाहिए।

शरजील की सभाओं में फरमान की मौजूदगी की जांच हो : शरजील इमाम ने जहां बैठकर एनआरसी-सीएए के खिलाफ स्पीच दी है उस वीडियोज में फरमान की मौजूदगी को ढूंढ़ने की जरूरत है। क्योंकि मुझे और सनोज मिश्रा दोनों को यह संदेह है कि पीएफआई का इसमें बहुत बड़ा हाथ है और पीएफआई की फंडिंग है। जैसी छांगुर पीर के मामले में हमने मुस्लिम कंट्रीज की फंडिंग देखी थी।

मदरसे से कोई सभ्य इंसान नहीं निकल रहे : नाजिया ने कहा- ऐसा सूत्रों से पता चला है क्योंकि केरल में भी कुछ राष्ट्रभक्त लोग सनोज भैया के संपर्क में हैं, उन लोगों ने बताया है कि ऐसी कोई कार्रवाई चल रही है और चुटकियों में पासपोर्ट बनवा लेते हैं। लड़कियों तो पार्सल की ही जाती हैं। हम लोग जो इतनी किडनैपिंग के केस देखते हैं बच्चियां तो इधर से उधर कर ही रहे हैं ये लोग। मदरसे में कोई सभ्य इंसान बनकर तो निकल नहीं रहा है। मदरसे में यही लव जिहाद वाले कठमुल्ले निकल रहे हैं। हम अपने देश की राष्ट्रपति जो ट्राइबल महिला हैं उनका हस्तक्षेप इस मामले में बहुत जरूरी है क्योंकि हम मोनालिसा को 35 टुकड़ों में नहीं पाना चाहते। हम मोनालिसा को जिंदा पाना चाहते हैं।

मानालिसा के माता-पिता ने की शिकायत : फिल्म डायरेक्टर सनोज मिश्रा के साथ मंगलवार को मोनालिसा के माता-पिता मंडलेश्वर पहुंचे और डीएसपी श्वेता शुक्ला की शिकायत सौंपी। उन्होंने मोनालिसा की शादी को लव जिहाद बताते हुए शिकायत पर सख्त कार्रवाई की मांग की है।

इंदौर, उज्जैन, भोपाल और नर्मदापुरम संभाग में 1 अप्रैल तथा शेष संभागों में 7 अप्रैल से होगी गेहूँखरीदी : खाद्य मंत्री श्री राजपूत

गेहूँ उपार्जन के लिये 19 लाख से अधिक किसानों ने कराया पंजीयन

भोपाल। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया है कि समर्थन मूल्य पर गेहूँ की खरीदी इंदौर, उज्जैन, भोपाल एवं नर्मदापुरम संभाग में 1 अप्रैल से तथा शेष संभागों में 7 अप्रैल से की जाएगी। गेहूँ की खरीदी शासकीय कार्य दिवसों में सुबह 8 से रात 8 बजे तक की जाएगी। उन्होंने बताया है कि सरकार ने गेहूं खरीदी पर 40 रुपये अतिरिक्त बोनस देने का भी फैसला लिया है। अब प्रदेश में गेहूं की खरीदी 2625 रुपए प्रति क्विंटल की दर से की जाएगी। मंत्री श्री राजपूत ने बताया है कि रबी विपणन वर्ष 2026-27 में समर्थन मूल्य पर गेहूँ उपार्जन के लिये कुल 19 लाख 4 हजार 651 किसानों ने पंजीयन कराया है। गत वर्ष 15 लाख 44 हजार किसानों ने पंजीयन कराया था। जिला इंदौर में 71713, झाबुआ में 7120, धार में 44466, अलीराजपुर में 476, खण्डवा में 35104, बुरहानपुर में 523, बड़वानी में 4724, खरगोन में 27557, शाजापुर में 73878, नीमच में 19445, उज्जैन में 123281, आगर-मालवा में 42446, मंदसौर में 65195, देवास में 76442, रतलाम, 45912, अशोक नगर में 16454, दतिया में 19118, शिवपुरी में 21312, ग्वालियर में 13763, गुना में 22914, भिण्ड में 12788, मुरैना में 10893, श्योपुर में 17617, डिण्डौरी में 4478, मण्डला में 19611, जबलपुर में 49642, कटनी में 52126, सिवनी में 53288, नरसिंहपुर में 38416, छिन्दवाड़ा में 29163, बालाघाट में 4383, पांढुर्णा में 863, नर्मदापुर में 71831, बैतूल में 18686, हरदा में 40273, भोपाल में 37129, रायसेन में 76264, विदिशा में 86479, सीहोर में 101793, राजगढ़ 98537, सीधी में 12813, सिंगरौली में 10970, महूगंज में 8018, सतना में 56376, मैहर में 19787, रीवा में 46923, अनुपपुर में 882, शहडोल में 9479, उमरिया में 13445, टीकमगढ़ में 15552, निवाड़ी में 4116, सागर में 75791, पन्ना में 30052, दमोह में 39938 और जिला छतपुर में 34378 किसानों ने पंजीयन कराया है।

बैतूल-अमरावती स्टेट हाईवे पर चक्काजाम

नीमढाना के ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन; पानी और सड़क की मांग पर अड़े

बैतूल। बैतूल-अमरावती स्टेट हाईवे पर मंगलवार को भैंसदेही विकासखंड की विजयग्राम पंचायत के नीमढाना गांव के ग्रामीणों ने पेयजल और सड़क निर्माण की मांग को लेकर चक्काजाम कर दिया, जिससे वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचकर समझाने का प्रयास कर रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि नीमढाना गांव में लंबे समय से पेयजल संकट बना हुआ है और दैनिक जरूरतों के लिए भी पानी नहीं मिल पा रहा है। पानी के अलावा गांव की सड़कें भी बेहद खराब हालत में हैं, जिससे लोगों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने इन समस्याओं को लेकर कई बार पंचायत और संबंधित अधिकारियों से शिकायत की है, लेकिन अब तक कोई ठोस समाधान नहीं निकला है।

सरपंच-सचिव पर लापरवाही का आरोप : ग्रामीणों ने सरपंच और सचिव पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा है कि पंचायत कार्यालय में अक्सर ताला लगा रहता है और शिकायतों पर ध्यान नहीं दिया जाता। इसी नाराजगी के चलते कुछ दिन पहले ग्रामीण ट्रैक्टरों में भरकर झल्लार थाने पहुंचे थे और थाना प्रभारी को आवेदन सौंपा था। थाने में दिए गए इसी आवेदन में ग्रामीणों ने अपनी समस्याओं को लेकर 17 मार्च को चक्काजाम करने की चेतावनी दी थी।

एक बोरवेल करवाया, लेकिन स्थायी समाधान की मांग : चेतावनी के बाद प्रशासन ने गांव में एक बोरवेल करवाया था, लेकिन ग्रामीणों का कहना है कि यह पर्याप्त नहीं है और पानी की समस्या का स्थायी समाधान नहीं हुआ है। अब ग्रामीण सड़क निर्माण की मांग पर भी अड़े हुए हैं और मंगलवार को बड़ी संख्या में विजयग्राम बस स्टैंड पर इकट्ठा होकर हाईवे पर प्रदर्शन शुरू कर दिया। ग्रामीणों ने प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और स्पष्ट किया कि जब तक पानी और सड़क का स्थायी समाधान नहीं होता, उनका आंदोलन जारी रहेगा।

विधानसभावार कृषि सम्मेलन के लिए कृषि विभाग देगा 5 लाख रुपए

प्रत्येक विधानसभा में आयोजित होंगे कृषि सम्मेलन : लघु कृषकों को उन्नत खेती के लिए किराये पर उपलब्ध कराये जाएंगे कृषि यंत्र

डेढ़ साल में प्रदेश का दूध संकलन 25 प्रतिशत बढ़कर हुआ 12.50 लाख लीटर प्रतिदिन

कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में हुआ कृषि अभिमुखीकरण कार्यक्रम

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि कृषक कल्याण वर्ष 2026 में विभिन्न विभाग मिलकर कृषि विकास और कृषक कल्याण योजनाओं को धरातल पर उतारने का कार्य करेंगे। किसानों की आय बढ़ाने के लिए सभी उपायों पर क्रियान्वयन तेज किया जाएगा। कृषक कल्याण वर्ष का लाभ किसानों के परिवारों तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। मध्यप्रदेश, देश का इकलौता राज्य है, जो 5 रुपए में किसानों को बिजली का कनेक्शन उपलब्ध करवा रहा है। ये किसानों के प्रति राज्य सरकार की प्रतिबद्धता को दशार्ता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव कुशाभाऊ ठाकरे अंतर्राष्ट्रीय सभागार में कृषक कल्याण वर्ष में सक्रिय सहभागिता जुटाने के उद्देश्य से आयोजित किए गए कृषि अभिमुखीकरण कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। कार्यशाला में उप मुख्यमंत्री द्वय श्री जगदीश देवड़ा और श्री राजेन्द्र शुक्ल सहित किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री श्री एदल सिंह कंषाना, सहकारिता मंत्री श्री विश्वास सारंग, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री श्री गोविन्द सिंह राजपूत, राजस्व मंत्री श्री करण सिंह वर्मा, जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, अनुसूचित जाति कल्याण मंत्री श्री नागर सिंह चौहान, नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री श्री राकेश शुक्ला, उच्च शिक्षा मंत्री श्री इंदर सिंह परमार, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री श्री चैतन्य काश्यप, संस्कृति राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री धर्मेन्द्र भाव सिंह लोधी, पिछड़ा वर्ग कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर, कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री दिलीप जायसवाल, मछुआ कल्याण एवं मत्स्य विकास राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री नारायण सिंह पवार सहित मंत्रीगण, विधायक, जनप्रतिनिधि एवं किसान संगठनों के प्रतिनिधि, एफपीओ के पदाधिकारी एवं प्रबुद्धजन शामिल हुए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कुशाभाऊ ठाकरे सभागार मध्यप्रदेश के पुराने विधानसभा भवन का पवित्र स्थान है। इस स्थान पर कृषक कल्याण योजनाओं पर केन्द्रित कार्यशाला राज्य सरकार के कृषि क्षेत्र को दी जा रही प्राथमिकता का भी प्रतीक है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस कार्यक्रम के लिए आयोजकों को बधाई दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में दूध उत्पादन और पशुपालन की व्यापक संभावनाएं हैं ।उन्हें साकार करने के प्रयास सफल हो रहे हैं। प्रदेश में दुग्ध उत्पादन को 9 प्रतिशत से बढ़ाकर 20 प्रतिशत करने का लक्ष्य रखा गया है। पिछले डेढ़ साल में प्रदेश का दूध कलेक्शन 25 प्रतिशत बढ़ा है। अब प्रदेश में प्रतिदिन 12.50 लाख लीटर दूध कलेक्शन किया जा रहा है। दूध का मूल्य भी 5 रुपए प्रति लीटर बढ़ा है। इससे दुग्ध उत्पादकों को सीधे तौर पर लाभ मिलेगा। गौशालाओं को आत्मनिर्भर बनाने और क्षेत्र में नरवई प्रबंधन के लिए राज्य सरकार ट्रैक्टर-ट्रॉली और भूसे की मशीन उपलब्ध करवा रही है। राज्य सरकार ने स्कूली बच्चों के लिए निःशुल्क दूध वितरण के लिए माता यशोदा योजना शुरू करने की पहल की है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि धार्मिक पर्यटन के क्षेत्र में विकास के नए आयाम स्थापित हो रहे हैं। टूरिज्म डिपार्टमेंट ने होम स्टे की योजना शुरू की है। होम स्टे संचालकों के लिए 20 लाख रुपये तक की आय जीएसटी से मुक्त रखी गई है। लघु-कुटीर उद्योग के क्षेत्र में शहद उत्पादन से किसान लाभ कमा रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कार्यशाला में लगभग सभी प्रमुख विभाग शामिल हुए हैं। राज्य की आबादी का लगभग 60 प्रतिशत हिस्सा इन 16 विभागों के अंतर्गत आ जाता है। प्रदेश में सिंचाई का रकबा 100 लाख हैक्टेयर करने के लिए निरंतर कार्य हो रहा है। प्रदेश में नए मेडिकल कॉलेज खोले जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि विधानसभा क्षेत्र में कृषि यंत्रों की दुकानें खुलेंगी, जिनसे लघु कृषकों को खेती के लिए किराये पर यंत्र उपलब्ध करवाए जाएंगे। विधायक अपने क्षेत्र में 4 से 5 कृषि सम्मेलन करें, इसके लिए कृषि विभाग ने प्रति विधानसभा क्षेत्र 5 लाख रुपए आवंटित करने का निर्णय किया है। इन प्रयासों से कृषि कल्याण के लिए सकारात्मक वातावरण बनेगा। किसान सौर बिजली उत्पादन की सभी योजनाओं का लाभ उठाएं। लघु-कुटीर उद्योगों को प्रोत्साहन देने के लिए भी कार्य करें ।प्रदेश प्रभारी श्री महेंद्र सिंह ने कहा कि हमारा मध्यप्रदेश अब हजार और लाख में नहीं, मिलियन, बिलियन और ट्रिलियन में बात करने के लिए तैयार है। मध्यप्रदेश क्षेत्रफल के हिसाब से कृषि में चौथे स्थान पर है। इसके बावजूद मध्यप्रदेश कई खाद्यान्नों के उत्पादन में देश में, पहले और दूसरे स्थान पर हैं। मध्यप्रदेश चौथे स्थान पर भी रहते हुए देश के खाद्यान्न उत्पादन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। प्रदेश के किसानों को सस्ती दरों पर बिजली और सिंचाई के लिए पम्प उपलब्ध करवाए जा रहे हैं। प्रदेश में सिंचाई का रकबा 54 लाख हैक्टेयर है। राज्य सरकार ने पं. दीनदयाल उपाध्याय के सपने को साकार करते हुए सिंचाई का रकबा आगामी वर्षों में 100 लाख हैक्टेयर करने का लक्ष्य रखा है। प्रदेश में दूध एवं डेयरी क्षेत्र में आगे बढ़ने की व्यापक संभावनाएं हैं। प्रदेश की कृषि विकास दर तेजी के साथ बढ़ी है। इसी प्रकार प्रदेश का बजट वर्ष 2003-24 में 23 हजार था, जो अब 4 लाख 38 हजार करोड़ से अधिक हो गया है। प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय और जीडीपी में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। राज्य सरकार ने मध्यप्रदेश को 2 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य रखा है। इसमें कृषि कल्याण वर्ष महत्वपूर्ण योगदान देगा। विकसित भारत के निर्माण में मध्यप्रदेश की बड़ी भूमिका होगी।

अपर मुख्य सचिव जल संसाधन और नर्मदा घाटी विकास डॉ. राजेश राजौरा ने प्रदेश में विभिन्न परियोजनाओं से निरंतर बढ़ रहे सिंचाई प्रतिशत की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश आने वाले कुछ समय में एक लाख हैक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई के लक्ष्य को प्राप्त कर लेगा। डॉ. राजौरा ने अंतर्राज्यीय नदी जोड़ो परियोजनाओं के बारे में भी विस्तार पूर्वक जानकारी दी और बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के प्रयासों से इन परियोजनाओं की स्वीकृति का मार्ग प्रशस्त हुआ। मध्यप्रदेश का बड़ा क्षेत्र इन परियोजनाओं के पूर्ण होने से लाभान्वित होगा।कृषि उत्पादन आयुक्त श्री अशोक वर्णवाल ने कहा कि मध्यप्रदेश पिछले 10 साल से कृषि क्षेत्र में 2 अंकों में वृद्धि कर रहा है। इस गति को बनाए रखने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. यादव के निदेर्शानुसार कई विभागों को जोड़कर कृषक कल्याण वर्ष मना रहे हैं। कार्यशाला में जैविक खेती, उद्यानिकी में नर्सरी, कोदो-रागी जैसे मोटे अनाजों से आइसक्रीम निर्माण, केज कल्चर सहित अनेक महत्वपूर्ण तकनीकी सत्र आयोजित किए गए। मत्स्य पालन, संस्कृति, पर्यटन, खाद्य एवं नवकरणीय ऊर्जा सहित कई विभागों ने अपनी योजनाओं की रूपरेखा प्रस्तुत की है।अपर मुख्य सचिव कुटीर और ग्रामोद्योग विभाग श्री के.सी. गुप्ता ने मध्यप्रदेश में छोटे और कुटीर उद्योगों के प्रोत्साहन के लिए संचालित योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि विभिन्न शिल्पों के विशेषज्ञ कलाकारों और अन्य शिल्पियों की सहायता के लिए अनेक प्रयास किए जा रहे हैं। शिल्पियों को उत्पादों की बिक्री के लिए भी आवश्यक मार्गदर्शन और सहायता प्रदान की जा रही है।

कलेक्टर ने ली समय सीमा की बैठक

हितग्राहियों को योजनाओं से लाभान्वित करने के निर्देश

'दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में समय सीमा की बैठक सम्पन्न हुई। उन्होंने निरूशक्त विवाह प्रोत्साहन योजना, संकल्प से समाधान अभियान, जिले में एलपीजी की स्थिति, सीएम हेल्पलाइन, निर्माण कार्यों, बोरी बंधान, फार्मर रजिस्ट्री, समाधान ऑनलाइन, पीएम किसान मित्र सूर्या योजना, समय सीमा के लंबित प्रकरणों आदि पर विस्तार से समीक्षा कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। बैठक में सीईओ जिला पंचायत गजेन्द्र सिंह नागेश सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

योजनाओं से लाभान्वित करने के निर्देश

कलेक्टर श्रीमती सिंह ने बैठक में निःशक्त विवाह प्रोत्साहन योजना और संकल्प से समाधान अभियान की समीक्षा की। उन्होंने जनपद पंचायतों एवं नगरीय निकायों में आयोजित होने वाले शिविरों में जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित करने तथा हितग्राहियों को शासन की योजनाओं से लाभान्वित करने के निर्देश दिए। शिविर में सभी विभाग अपनी- अपनी योजनाओं की जानकारी देंगे और प्राप्त होने वाले आवेदन पत्रों का निराकरण कर ऑनलाइन दर्ज करेंगे। कलेक्टर ने जिले में एलपीजी घरेलू गैस सिलेंडर की उपलब्धि और वितरण की जानकारी ली। जिला खाद्य आपूर्ति अधिकारी ने बताया कि जिले में एलपीजी बुकिंग एवं वितरण सुचारू रूप से संचालित है। इस संबंध में आ रही समस्याओं का निराकरण किया जा रहा है। इसके लिए अधिकारियों की ड्यूटी लगाई गई है और उनके मोबाइल नंबर भी जारी किए गए हैं।

आजीविका मिशन के कार्यो की समीक्षा

कलेक्टर श्रीमती सिंह ने विभागवार सीएम हेल्पलाइन और समय सीमा पत्रों के प्रकरणों की समीक्षा करते हुए कहा कि प्रकरणों का संतुष्टि के साथ निराकरण किया जाए। उन्होंने विभिन्न निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि जो कार्य लंबित हैं, उन्हें पूर्ण गुणवत्ता के साथ समय सीमा में निर्धारित मानकों के अनुरूप पूर्ण किए जाएं। कलेक्टर ने आजीविका मिशन ग्रामीण के द्वारा किए गए बोरी बंधान की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण व संवर्धन के कार्य में सभी की सहभागिता सुनिश्चित हो। सभी शासकीय कार्यालयों एवं कार्यक्रमों में प्लास्टिक के उपयोग पर प्रतिबंध लगाया गया है, इसका पालन सुनिश्चित किया जाए।

गौशालाओं की समीक्षा

उन्होंने फार्मर आईडी की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि जिन किसानों की फार्मर रजिस्ट्रेशन नहीं हुआ है, उन किसानों की फार्मर आईडी बनाई जाए, जिससे उन्हें शासन की महत्वाकांक्षी योजनाओं का लाभ तत्परता से मिल सके। बैठक में कलेक्टर ने जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित गौशालाओं की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि गौशालाओं की भूमि से अतिक्रमण हटाया जाए। गौशालाओं के रखरखाव को बेहतर किया जाए। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि नरवाई जलाने वाले किसानों पर कार्यवाही की जाए।

कलेक्टर के निर्देश पर हटाया अवैध कब्जा

कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह के निर्देशन में जिले की तेंदूखेड़ा तहसील अंतर्गत आने वाले ग्राम बरेली में राजस्व विभाग द्वारा आवेदक लोकेंद्र गौंड की भूमि खसरा क्रमांक 46/38 रकबा 1.215 हेक्टर से अवैध कब्जा हटाकर विधिवत कब्जा सौंपने की कार्यवाही की गई। इस दौरान राजस्व विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर अवैध कब्जा हटवाया और भूमि का विधिवत कब्जा आवेदक को दिलाया। कार्यवाही के दौरान प्रभारी तहसीलदार निर्मल पटले के साथ पटवारी राघवेंद्र ठाकुर, सुरेंद्र विश्वकर्मा, ग्राम कोटवार तथा होमगार्ड के रामशंकर गौतम मौजूद थे।

भाजपा का दो दिवसीय प्रशिक्षण हुआ संपन्न

'दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। पं. दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान 2026 के अंतर्गत जिले भर के प्रत्येक मंडलों में प्रशिक्षण वर्ग आयोजित किए जा रहें है इसी क्रम में नरसिंहपुर नगर का प्रशिक्षण आयोजित किया गया जिसके अंतर्गत पार्टी कार्यकताओं को भारतीय जनता पार्टी की कार्य पद्धति और संगठन की विचारधारा को घर-घर तक पहुंचाने व संगठन को मजबूती प्रदान करने हेतु वक्ताओं द्वारा विभिन्न विषयों को कार्यकताओं के मध्य रखा गया। कार्यक्रम का प्रारंभ भारत माता, पंडित दीनदयाल उपाध्याय व श्यामा प्रसाद जी के चित्रों पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलन कर किया गया। प्रथम सत्र की अध्यक्षता डॉ. हंसराज ने की एवं मुख्य वक्ता के रूप में पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष महंत प्रीतमपुरी गोस्वामी ने वैचारिक अधिष्ठान पर व द्वितीय सत्र की अध्यक्षता प्राचार्य राजेन्द्र राजपूत एवं मुख्य वक्ता मिनेन्द्र डागा ने भाजपा का कार्य विस्तार पर रखा गया। तृतीय सत्र की अध्यक्षता वरिष्ठ नेता विजय लूनावत ने की एवं सत्र को संबोधित करते हुए भाजपा जिला अध्यक्ष पंडित रामस्नेही पाठक ने संगठन की विचारधारा,सेवा, समर्पण और राष्ट्र निर्माण में कार्यकताओं की भूमिका पर विस्तार से चर्चा की पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के एकात्म मानववाद के सिद्धांतों को जन-जन तक पहुंचाने तथा संगठन को और अधिक सशक्त बनाने के लिए सभी कार्यकताओं को प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम कार्यकताओं को वैचारिक रूप से सशक्त बनाते हुए समाज सेवा एवं राष्ट्रहित के कार्यों के लिए नई ऊर्जा प्रदान करते हैं। चतुर्थ सत्र की अध्यक्षता पूर्व जिला महामंत्री एड.रमेश नेमा ने की एवं सत्र को पूर्व राज्य मंत्री जालम सिंह पटेल ने केंद्र सरकार की योजनाओं को लेकर संबोधित किया उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि 2014 के पहले जहां कांग्रेस की सरकारों में गरीब सरकारी कागजों व सरकार के नारे तक सीमित था वहीं मोदी जी के शासन में आने के बाद सरकार की योजनाओं का सीधा लाभ समाज के हर वर्ग के व्यक्ति को बिना भेदभाव के दिया गया। प्रशिक्षण वर्ग का संचालन नगर महामंत्री मयंक जैन एवं रचना वर्मा व आभार नगर अध्यक्ष अंशुल नेमा द्वारा किया गया। मंडल के प्रत्येक बूथ से प्रशिक्षार्थियों की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही।

विक्रमोत्सव सूर्य उपासना कार्यक्रम कल

'दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। राज्य शासन के निदेर्शानुसार विक्रमोत्सव 2026 के अंतर्गत जिला मुख्यालय में 19 मार्च 2026 को पूर्वान्ह सूर्य उपासना कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। सफल कार्यक्रम के आयोजन के लिए डिप्टी कलेक्टर नरसिंहपुर ने सहायक संचालक सामाजिक न्याय एवं निःशक्तजन कल्याण श्रीमती अंजना त्रिपाठी को नोडल अधिकारी नियुक्त किया है। उल्लेखनीय है कि राज्य शासन के संस्कृति विभाग के द्वारा प्राप्त निदेर्शानुसार विक्रमोत्सव 2026 के अंतर्गत जिला मुख्यालय में 19 मार्च को पूर्वान्ह सूर्य उपासना कार्यक्रम का आयोजन किया जाना है। जिसके प्रचार-प्रसार के लिए जिला स्तरीय नोडल अधिकारी एवं आयोजन स्थल की जानकारी का चयन कर सूचित करने के निर्देश दिए गए

हैहय वंशीय ताम्रकार (कसेरा) समाज रीवा की कार्यकारिणी गठन, कई लोगो को दी गयी नवीन जिम्मेदारी

दैनिक रेवांचल टाइम्स रीवा। हैहय वंशीय ताम्रकार (कसेरा) समाज रीवा को संगठन के प्रदेशाध्यक्ष राजेन्द्र ताम्रकार, प्रदेश के निर्वाचन अधिकारी संतोष ताम्रकार विदिशा के मार्गदर्शन में रीवा जिला में रीवा नगर मंडल के निर्वाचन अधिकारी अनिल ताम्रकार सतना के द्वारा 11/03/26 को नंदछाया मैरिज गार्डन में बैठक रखी गई थी, जिसमें सर्वसम्मति से निर्वाचन कराया गया। निर्वाचन में नंदलाल ताम्रकार फोर्ट रोड रीवाबको जिलाध्यक्ष, नारायण ताम्रकार फोर्ट रोड रीवा को महामंत्री, जिला कोषाध्यक्ष बृजेन्द्र ताम्रकार, रामजस कटरा की नियुक्ति हुई। इसी तरह से नगर अध्यक्ष अजय ताम्रकार वेंकट रोड को रीवा नगर का अध्यक्ष बनाया गया। नगर महामंत्री रामकृष्ण ताम्रकार बरा, नगर कोषाध्यक्ष आकाश ताम्रकार दीनदयाल कालोनी की नियुक्ति हुई। श्रीमती कल्पना ताम्रकार को महिला मंडल रीवा का जिलाअध्यक्ष एवं प्रदेश प्रतिनिधि में बृजेन्द्र ताम्रकार, उमेश ताम्रकार बरा,शिवनारायण ताम्रकार, कन्हैया, श्रीमती ममता ताम्रकार करहिया,श्रीमती स्वाति ताम्रकार नियुक्ति हुई। जिसमें समाज से राजेंद्र ताम्रकार, पूर्व जिला अध्यक्ष राजकुमार ताम्रकार, पहलाद ताम्रकार,अरविंद सतीश ताम्रकार, रामकृष्ण ताम्रकार, लखन ताम्रकार जी कुलदीप ताम्रकार, मुकेश ताम्रकार, अंकुश ताम्रकार, तरुण ताम्रकार, सूरज ताम्रकार, मनीष ताम्रकार, नीरज, बालकृष्ण, मनोज, संजय, विजय, सनतू, लवकुश, मोहित ताम्रकार, शुभम ताम्रकार, केशव, अमन ,जीतू,महिला मंडल से ममता, सरस्वती,आराधना,माधवी, प्रतिभा, समीक्षा, नीतू, ममता,वंदना, आंचल सीमा, कीर्ति, सुनीता सहित समाज से भारी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षण सम्पन्न

'दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत आयुष्मान भारत उमंग के कक्षा 6 से 8 तक की हेल्थ एंड वैलनेस एम्बैस्डर स्कूल शिक्षकों का प्रशिक्षण जिले में 9 मार्च से 14 मार्च 2026 तक कुल 5 बैचों में आयोजित किए गए। यह प्रशिक्षण जिला शिक्षा अधिकारी अनिल कुमार कुशवाहा, जिला परियोजना समन्वयक शिक्षा मनीष चैकसे एवं सहायक परियोजना समन्वयक समीर त्यागी के सहयोग से संपन्न हुआ। इस प्रशिक्षण में राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम के कक्षा छठवीं, सातवीं एवं आठवीं के मॉड्यूल शिक्षकों को संपूर्ण गतिविधि सहित पाठ पढ़ाए गए। आईसेक्ट संस्था नरसिंहपुर के कमल साहू एवं जिला परियोजना समन्वयक आईसेक्ट ब्रजेश त्रिवेदी द्वारा प्रशिक्षण की संपूर्ण वयवस्थाएँ की गई थी। राज्य स्तर से आए मास्टर ट्रेनर आरपी शर्मा, कुलभूषण सिंह एवं मनोज कुलश्रेष्ठ व शिक्षा विभाग से जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनर श्रीमती रश्मि शुक्ला, श्रीमती दुर्गा सोनी एवं अंकित साहू के द्वारा समस्त शिक्षकों को राष्ट्र किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम के 6 थीम पर आधारित प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इनमें प्रमुखतः पोषण, यौन- प्रजनन स्वास्थ्य, नशा से संबंधित पदार्थ की रोकथाम, मानसिक स्वास्थ्य एवं असंचारी रोग शामिल हैं। इस प्रशिक्षण के उपरांत किशोर में स्वास्थ्य को लेकर शिक्षकों द्वारा जागरूकता की जाएगी।

ठगी करने वाला आरोपी दिल्ली से गिरफ्तार

'दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। गत दिवस पुलिस ठगी के कराने के मामले मे बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया गया। पुलिस ने बताया कि बच्चों को क्रिकेट की कोचिंग देने वाला एक व्यक्ति अंतरराज्यीय शातिर ठग निकला। नरसिंहपुर पुलिस ने लोन दिलाने के नाम पर लोगों से ठगी करने वाले आरोपी को दिल्ली से गिरफ्तार किया है। आरोपी फर्जी बैंक और फाइनेंस कंपनियों के नाम से पोस्टर लगाकर जरूरतमंद लोगों को झांसे में लेता था और विभिन्न शुल्क के नाम पर पैसे ऐंठता था। पुलिस अधीक्षक डॉ. ऋषिकेश मीना ने पत्रकार वार्ता में बताया कि गिरफ्तार आरोपी देवकीनंदन कपूर उर्फ देव (35) जैन नगर, कराला थाना रोहिणी (नई दिल्ली) का रहने वाला है। आरोपी ने पूछताछ में बताया कि वह खुद को प्रोफेशनल क्रिकेट खिलाड़ी बताकर लोगों का भरोसा जीतता था और इसी पहचान का फायदा उठाकर ठगी करता था। नरसिंहपुर निवासी ओंकार प्रसाद चैधरी ने 2 फरवरी 2026 को शिकायत दर्ज कराई थी कि कुछ लोगों ने लोन दिलाने का झांसा देकर उनसे 93 हजार 900 रुपये ठग लिए। शिकायत के बाद पुलिस ने तकनीकी जांच के आधार पर मोबाइल नंबर, बैंक खातों और ट्रांजेक्शन की जानकारी जुटाकर जांच शुरू की। जांच में सामने आया कि आरोपी ने रेलवे स्टेशन और सार्वजनिक स्थानों की दीवारों पर फर्जी बैंक और फाइनेंस कंपनियों के नाम से पोस्टर लगवाए थे। पोस्टर पर दिए नंबर पर कॉल करने पर एक महिला खुद को बैंक कर्मचारी बताकर लोगों को झांसे में लेती थी। इसके बाद आरोपी अलग-अलग शुल्क जैसे बीमा, जीएसटी, डीडी और प्रोसेसिंग फीस के नाम पर पैसे मंगवाता था। पुलिस जांच में पता चला कि आरोपी दिल्ली में कॉल सेंटर चलाकर लोगों को ठगी का शिकार बनाता था। पोस्टर के जरिए आए कॉल कॉल सेंटर तक पहुंचते थे, जहां से टेली-कॉलर लोगों को लोन दिलाने का झांसा देते थे। बाद में आरोपी स्वयं संपर्क कर पैसे की मांग करता था। ठगी की रकम सीधे अपने खाते में लेने के बजाय वह अन्य लोगों के बैंक खातों का इस्तेमाल करता था। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 10 चेकबुक, 10 पासबुक, सात एटीएम कार्ड और दो आधार कार्ड सहित अन्य दस्तावेज जब्त किए हैं। इसके अलावा ठगी में इस्तेमाल किए गए करीब 10 बैंक खातों को भी चिन्हित कर जब्त किया गया है। आरोपी के खिलाफ धारा 318 (4) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

आईटीआई रीवा में युवक/युवितयो के लिए युवा संगम (जॉब फेयर) का बृहद रोजगार मेला आज

दैनिक रेवांचल टाइम्स रीवा । जिला कलेक्टर के आदेशानुसार उपसंचालक रोजगार जिला रोजगार कार्यालय रीवा,जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र एवं संभागीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था रीवा मध्यप्रदेश द्वारा समस्त जनपद पंचायत को पत्र लिखा गया है कि युवा संगम (जॉब फेयर) के लिए आईटीआई बेरोजगार युवक/युवतियों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश शासन, तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार विभाग के सन्दर्भित निदेर्शानुसार दिनांक 18 मार्च 2026 को प्रातः 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक संभागीय आई.टी.आई. रीवा में एक दिवसीय जिला स्तरीय युवा संगम (जॉब फेयर) रोजगार मेले का वृहद आयोजन किया जा रहा है। जिसमें 16 कंपनी भाग ले रही है और लगभग 1000 रिक्तियां हैं। अधीनस्थ अधिकारियो, कर्मचारियो तथा पंचायत सचिव एवं ग्राम रोजगार सहायकों के माध्यम से युवा संगम (जॉब फेयर) के संबंध में प्रचार-प्रसार कर युवाओं को जानकारी दे। ताकि अधिक से अधिक इच्छुक आवेदक उक्त रोजगार मेले में उपस्थित होकर रोजगार प्राप्त कर सकें। रोजगार मेले में बेरोजगार युवक/युवतिया को अपने समस्त शैक्षणिक योग्यता संबंधित प्रमाण समग्र आईडी की छायाप्रति लाना अनिवार्य है, अंकसूची की छायाप्रति, निवास प्रमाण पत्र की छायाप्रति, आधार कार्ड/वोटर आईडी की छायाप्रति, रोजगार पंजीयन की छायाप्रति एवं दो पासपोर्ट साईज फोटो। इस हेतु कोई मार्ग व्यय देय नहीं होगा।

आम आदमी पार्टी के रीवा जिला उपाध्यक्ष बने राजेश दुबे

दैनिक रेवांचल टाइम्स रीवा। आम आदमी पार्टी ने संगठन को मजबूत करने के उद्देश्य से राजेश दुबे को जिला उपाध्यक्ष नियुक्त किया है। पार्टी नेतृत्व ने उनके लंबे समय से संगठन में सक्रिय योगदान और समर्पित कार्यशैली को देखते हुए उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है। राजेश दुबे वर्ष 2013 से आम आदमी पार्टी से जुड़े हुए हैं और तब से लगातार पार्टी के लिए सक्रिय रूप से कार्य कर रहे हैं। इस दौरान उन्होंने संगठन में विभिन्न पदों पर रहकर अपनी जिम्मेदारियों का सफलतापूर्वक निर्वहन किया है। नियुक्ति की घोषणा के बाद पार्टी के कई पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने खुशी व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी। इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष जितेंद्र चौरसिया, प्रदेश प्रवक्ता प्रमोद शर्मा, जिला अध्यक्ष राजीव सिंह, शेरा, रवि मिश्रा, शिवम भारद्वाज, रवि पांडे और नितिन तिवारी ने राजेश दुबे को नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं और आशा व्यक्त की कि वे अपने अनुभव और नेतृत्व क्षमता से संगठन को और अधिक मजबूत करेंगे।

खिलाड़ियों की प्रतिभा का दमन कर रहे विश्वविद्यालय की मनमानी के विरुद्ध 'आप' नेता ने जताई कड़ी आपत्ति।

दैनिक रेवांचल टाइम्स रीवा। आम आदमी पार्टी (शिक्षा विंग) के जिला अध्यक्ष शिवम भारद्वाज ने अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय (अढरव) के शारीरिक शिक्षा विभाग की कार्यप्रणाली को आड़े हाथों लेते हुए रीवा की उभरती खेल प्रतिभाओं के साथ विश्वासघात बताया है। शिवम भारद्वाज ने कहा कि 17 फरवरी को नेशनल रेफरी और विशेषज्ञों की गरिमामयी उपस्थिति में विधिवत चयन होने के बावजूद ताइक्वांडो खिलाड़ियों को 'ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी' प्रतियोगिता (पंजाब एवं ओडिशा) में भाग लेने से वंचित करना विभाग की घोर संवेदनहीनता और हठधर्मिता का परिचायक है। यह अत्यंत खेदजनक है कि यह राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता 16 मार्च से 20 मार्च तक आयोजित थी, किंतु विभाग की प्रशासनिक शिथिलता और तानाशाही के कारण खिलाड़ियों की वर्षों की कठोर साधना व्यर्थ चली गई। उन्होंने आगे कहा कि जब खिलाड़ियों ने अपनी समस्या को लेकर उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ल से गुहार लगाई, तो उनके स्पष्ट निदेर्शों के बाद भी विभाग के संचालक द्वारा नियमों की भ्रामक व्याख्या करना और जानबूझकर बाधाएं उत्पन्न करना सीधे तौर पर शासन के आदेशों की अवहेलना है। शिवम भारद्वाज ने चेतावनी दी है कि आम आदमी पार्टी खेल प्रतिभाओं के इस प्रकार के मानसिक शोषण को मूकदर्शक बनकर नहीं देखेगी, हमारी मांग है कि इस पूरे प्रकरण की उच्च स्तरीय जांच सुनिश्चित की जाए और उन अधिकारियों की जवाबदेही तय हो जिन्होंने रीवा का मान बढ़ाने वाले इन युवाओं का भविष्य अंधकार में धकेला है। यदि प्रशासन ने तत्काल सुधारात्मक कदम नहीं उठाए और दोषी अधिकारियों पर गाज नहीं गिरी, तो आम आदमी पार्टी खिलाड़ियों के सम्मान की रक्षा हेतु चरणबद्ध तरीके से मोर्चा खोलने के लिए विवश होगी।

पशु चारे व भूसे का परिवहन प्रतिबंधित

'दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। जिला दंडाधिकारी श्रीमती रजनी सिंह ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के अंतर्गत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया है। जिला दंडाधिकारी के द्वारा जारी प्रतिबंधात्मक आदेश के मुताबिक जिले की भौगोलिक सीमा के भीतर उत्पादित समस्त प्रकार के पशु चारे यथा गेहूं का भूसा, कड़बी आदि का जिले की सीमा से बाहर विक्रय अथवा किसी भी माध्यम से परिवहन पूर्णतरू प्रतिबंधित किया गया है। भूसा निर्माण के लिए उपयुक्त रीपर मशीन के संचालन में स्थानीय प्रशासन द्वारा निर्धारित दिशा- निदेर्शों का अक्षरशः पालन अनिवार्य होगा, ताकि फसल अवशेषों (नरवाई) को जलाने की घटनाओं को पूर्णतया रोका जा सके। जारी आदेश के मुताबिक यदि किसी अपरिहार्य परिस्थिति में भूसे का जिले की सीमा से बाहर परिवहन आवश्यक हो, तो संबंधित अनुविभागीय राजस्व अधिकारी से विधिवत लिखित पूर्व अनुमति प्राप्त करना अनिवार्य होगा। इस आदेश का उल्लंघन करने वाले किसी भी व्यक्ति, संस्था अथवा वाहन स्वामी के विरूद्ध भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 223 एवं अन्य सुसंगत विधियों के अंतर्गत कठोर दंडात्मक कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी। जिले के समस्त थाना प्रभारी एवं राजस्व अधिकारी अपने- अपने कार्यक्षेत्रों में नाकेबंदी कर इस आदेश का कड़ाई से अनुपान सुनिश्चित करेंगे। यह आदेश तत्काल प्रभाव से आगामी 60 दिनों की अवधि तक अथवा अगले आदेश तक प्रभावशील रहेगा।

ओम होम हैल्थ केयर सर्विस
हमारे पास अशक्त बुजुर्ग मरीजों की देखभाल हेतु नर्स,वार्ड वॉय,आया बाई,फिजियोथैरेपी और दवाईयॉ घर पर उपलब्ध कराए जाते हैं।
प्रो.जितेन्द्र पटैल CERVIC - 24X7 Hourse
मो. 9340721556,9753518166
पता-केनरा बैंक महाराष्ट्र हॉई स्कूल गोल बाजार जबलपुर(म.प्र.)

Manufacturer of t-shirts & lowers Mo. 9174614421, 9406763810
CHANDRAKALA TEXTILES
सभी प्रकार की टी-शर्ट ऑर्डर पर बनाई और प्रिंट की जाती हैं और स्पोर्ट्स सबलिमेसन जर्सी बनाई जाती हैं।
Address : shop no 151, jabalpur fashion design cluster market Lema garden Gohalpur jabalpur 482001

बैगा बहुल मवई के साथ भेदभाव नहीं सहेंगे – बस्ती विकास परियोजना पर उठे बड़े सवाल, कांग्रेस ने दी आंदोलन की चेतावनी

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। जिले के आदिवासी और बैगा बहुल मवई विकासखंड में विकास की अनदेखी को लेकर अब राजनीतिक माहौल गरमा गया है। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी मवई ने खुला ऐलान करते हुए कहा है कि अगर आदिवासी अंचल के साथ हो रहा भेदभाव नहीं रुका, तो सड़क से लेकर जनआंदोलन तक की लड़ाई लड़ी जाएगी। 100 किमी दूर मवई – विकास से कोसों दूर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष ने तीखा हमला बोलते हुए कहा कि जिला मुख्यालय से करीब 100 किलोमीटर दूर स्थित मवई आज भी बुनियादी सुविधाओं के लिए जूझ रहा है। सरकारें भले ही अंतिम व्यक्ति तक योजना पहुंचाने का दावा करें, लेकिन मवई की जमीनी हकीकत इन दावों की पोल खोल रही है।

गांवों में बिजली का अभाव

शुद्ध पेयजल की कमी, जर्जर स्कूल भवन आंगनवाड़ी और स्वास्थ्य सुविधाओं का अभाव, यह हालात बताते हैं कि विकास के नाम पर सिर्फ कागजी दावे किए जा रहे हैं।

बस्ती विकास परियोजना पर गंभीर आरोप

जनजातीय विभाग की बस्ती विकास परियोजना, जो खास तौर पर आदिवासी और बैगा क्षेत्रों के लिए बनाई

गई थी, उसी में मवई को कथित रूप से नजरअंदाज किया जा रहा है।

कांग्रेस ने आरोप लगाया–

अन्य ग्राम पंचायतों को अधिक बजट मवई विकासखंड को उपेक्षित रखा गया योजना का लाभ जरूरतमंदों तक नहीं पहुंच रहा इसे आदिवासी समाज के साथ सौतेला व्यवहार करार दिया गया है।

ठेकेदारी प्रथा और भ्रष्टाचार का साया

सबसे गंभीर आरोप यह है कि योजना के अधिकांश कार्यों में अप्रत्यक्ष रूप से ठेकेदारी प्रथा हावी है, जिससे भ्रष्टाचार की आशंका बढ़ रही है गुणवत्ता प्रभावित हो रही है असली लाभार्थी वंचित रह रहे हैं

कलेक्टर से निष्पक्ष जांच की मांग

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ने कलेक्टर से मांग की है कि– पूरे मामले की निष्पक्ष और पारदर्शी जांच हो स्वीकृत और खर्च राशि का खुलासा किया जाए, जिम्मेदारों पर सख्त कार्रवाई हो

चेतावनी: अब होगा निर्णायक आंदोलन

कांग्रेस ने साफ कर दिया है कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो–

चरणबद्ध आंदोलन किया जाएगा

जनता को साथ लेकर बड़ा विरोध प्रदर्शन होगा, और इसकी पूरी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी। बड़ा सवालआखिर क्यों बैगा बहुल मवई विकासखंड को योजनाओं से वंचित रखा जा रहा है? क्या यह सिर्फ लापरवाही है या फिर किसी बड़े खेल का हिस्सा? अब चुप नहीं बैठेगा मवई – यह संदेश साफ है कि आदिवासी हक की लड़ाई अब सड़क पर उतरने वाली है।

तुईयापानी में अवैध प्लॉटिंग का खेल उजागरपहले बिके प्लॉट, फिर जागा प्रशासन

दैनिक रेवांचल टाइम्स` नैनपुर, जिला मंडला` 16 मार्च 2026 नैनपुर क्षेत्र में अवैध कॉलोनियों और भू-माफियाओं का फैलता जाल आखिरकार प्रशासन की नजर में आ ही गया, लेकिन तब जब कई लोगों की मेहनत की कमाई दांव पर लग चुकी थी। ग्राम तुईयापानी (पिण्डरई) में कृषि भूमि पर बिना किसी वैधानिक अनुमति के प्लॉट काटकर बेचने के मामले में प्रशासन ने अब जाकर कार्रवाई करते हुए तीन कथित कॉलोनाइजरों के खिलाफ थाना नैनपुर में FIR दर्ज कराई है। प्रशासन ने संबंधित खसरों को ब्लॉक कर खरीदी-फरोख्त पर रोक लगाने के निर्देश दिए हैं, लेकिन अब बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि जब महीनों से अवैध प्लॉटिंग का खेल खुलेआम चल रहा था, तब जिम्मेदार विभाग और अधिकारी आखिर क्यों मौन थे?

अवैध कॉलोनी का खेल – खेत बने प्लॉट, कच्ची सड़कें और करोड़ों का धंधा

स्थानीय सूत्रों के अनुसार ग्राम तुईयापानी में कृषि भूमि को छोटे-छोटे प्लॉटों में काटकर कॉलोनी के रूप में विकसित किया जा रहा था। खरीदारों को लुभाने के लिए कच्ची सड़कों का निर्माण तक कर दिया गया और नक्शे व वादों के सहारे जमीनों का सौदा किया जा रहा था।

लेकिन जांच में सामने आया कि

भूमि का डायवर्जन नहीं कराया गया टाउन एंड कंट्री प्लानिंग (TNCP) से अनुमति नहीं ली

गई कॉलोनाइजर के रूप में कोई वैधानिक पंजीयन नहीं इसके बावजूद प्लॉट बेचे जा रहे थे और लोगों से लाखों रुपये वसूले जा रहे थे, जो सीधे तौर पर नियमों का उल्लंघन है।

इन तीन कॉलोनाइजरों पर दर्ज हुई FIR

राजस्व निरीक्षक शिवकुमार वरकड़े की शिकायत पर थाना नैनपुर में निम्न व्यक्तियों के विरुद्ध अपराध दर्ज किया गया है– नरेन्द्र जैन, पिता मुलायमचंद जैन, निवासी पिण्डरई मुस्तफा खान, पिता अस्टू खान, निवासी नैनपुर अकरम अंसारी, पिता मोहम्मद सफी अंसारी, निवासी नैनपुर इनके खिलाफ मध्यप्रदेश पंचायत राज एवं ग्राम स्वराज अधिनियम 1993 की धारा 61-क, 61-ख एवं 61-घ (3) के तहत अपराध क्रमांक 0115/2026 दर्ज कर पुलिस ने विवेचना शुरू कर दी है।

बड़ा सवाल – जब प्लॉट बिक रहे थे तब प्रशासन कहाँ था? स्थानीय लोगों का कहना है कि तुईयापानी में यह अवैध प्लॉटिंग कोई रातों-रात नहीं हुई। महीनों से खेतों में सड़कें बन रही थीं, बोर्ड लग रहे थे और प्लॉट बेचे जा रहे थे। ऐसे में सवाल उठता है कि– क्या राजस्व विभाग और पंचायत प्रशासन को इसकी भनक नहीं थी? क्या समय रहते कार्रवाई होती तो भोले-भाले खरीदारों को नुकसान से बचाया जा सकता था?

आखिर किसकी शह पर चल रहा था अवैध कॉलोनियों का यह खेल?

लोगों का आरोप है कि भू-माफिया और अवैध कॉलोनाइजर आम लोगों को सस्ते प्लॉट का लालच देकर लाखों रुपये ऐंठ लेते हैं, और जब विवाद सामने आता है तब प्रशासन कार्रवाई करता है।

जनता को चेतावनी – सस्ते प्लॉट के लालच में न फंसें

प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि किसी भी भूमि या प्लॉट को खरीदने से पहले यह सुनिश्चित करें कि– भूमि का डायवर्जन आदेश हो टाउन एंड कंट्री प्लानिंग (TNCP) की स्वीकृति हो आवश्यक होने पर फ्फ्ध्र पंजीकरण हो अन्यथा भविष्य में कानूनी विवाद और आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है।

जिम्मेदारों की नींद टूटी या मजबूरी में कार्रवाई?

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। जिले में इन दिनों घरेलू गैस की कमी के चलते प्रशासन जाग कर अनधिकृत तरीके से घरेलू गैस का उपयोग ढाबा होटलों व अन्य जगहों पर व्यावसायिक करण करते हुए घरेलू गैस टंकी का दुरूपयोग करने वालो पर कार्यवाही जारी है। जानकारी के अनुसार नारायणगंज में घरेलू गैस सिलेंडरों के दुरुपयोग पर हुई कार्रवाई भले ही प्रशासन की सक्रियता दिखा रही हो, लेकिन इससे बड़ा सवाल भी खड़ा हो गया है–आखिर प्रशासन और गैस एजेंसी धारक अब तक क्या कर रहे थे? स्थानीय स्तर पर लंबे समय से होटल-ढाबों में घरेलू सिलेंडरों का खुलेआम व्यवसायिक उपयोग किया जा रहा था। यह कोई छुपी हुई बात नहीं थी, बल्कि हर किसी की नजरों के सामने चल रहा खेल था। इसके बावजूद जिला प्रशासन और संबंधित एजेंसी धारकों की चुप्पी कई सवालों को जन्म

देती है।

कमी हुई तो जागा प्रशासन?– अब जब बाजार में गैस की किल्लत और उपभोक्ताओं की परेशानी बढ़ने लगी, तब जाकर प्रशासन हरकत में आया। इससे यह सवाल उठना लाजिमी है कि– क्या कार्रवाई सिर्फ तब ही होगी जब हालात बिगड़ जाएं? अगर समय रहते नियमित निगरानी और सख्त कार्रवाई होती रहती, तो आज यह स्थिति ही पैदा नहीं होती।

एजेंसी की भूमिका भी सवालों के घेरे में– घरेलू गैस सिलेंडर आखिर बिना जानकारी के बड़े पैमाने पर व्यवसायिक उपयोग में कैसे पहुंच रहे थे? क्या गैस एजेंसी धारकों को इसकी भनक नहीं थी, या फिर जानबूझकर अनदेखी की जा रही थी?

जनता पूछ रही जवाब– आज आम उपभोक्ता गैस के लिए परेशान है, बुकिंग के बाद भी समय पर सिलेंडर नहीं मिल रहा। ऐसे में जनता यह जानना चाहती है कि– इस अव्यवस्था के लिए जिम्मेदार कौन है? जरूरत सिर्फ कार्रवाई नहीं, सिस्टम सुधार की एक-दो दिन की कार्रवाई से समस्या खत्म नहीं होगी। जरूरत है– नियमित जांच एजेंसी स्तर पर सख्त मॉनिटरिंग दोषियों पर कड़ी और पारदर्शी कार्रवाई ताकि भविष्य में फिर से ऐसा गैस का खेल न पनपे।

कचनारी ग्राम में बिजली के नाम पर अवैध वसूली ग्रामीणों में आक्रोश पहुँचे जनसुनवाई

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। घुघरी जनपद पंचायत के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत कचनारी ग्राम पंचायत में बिजली व्यवस्था को लेकर गंभीर अनियमितताओं और कथित भ्रष्टाचार का मामला सामने आया है। ग्रामीणों का आरोप है कि वर्ष 2015-16 से लेकर वर्तमान वित्तीय वर्ष 2025-26 तक गांव में विद्युत व्यवस्था अधूरी पड़ी है। कई स्थानों पर केवल खंभे (पोल) खड़े कर दिए गए हैं, लेकिन आज तक बिजली आपूर्ति शुरू नहीं की गई। ग्रामीणों के अनुसार, जहां एक ओर गांव के कुछ घर अंधेरे में डूबा हुआ है, वहीं दूसरी ओर बिजली विभाग से जुड़े कर्मचारी ग्रामीणों से अवैध वसूली कर रहे हैं। आरोप विशेष रूप से लाइनमैन रोहित पर लगाए गए हैं, जो कथित तौर पर हर घर जाकर बिना किसी आधिकारिक बिल या रसीद के 400 से 500 रुपये तक की राशि वसूल रहे हैं। इतना ही नहीं, कुछ मामलों में 2500 से 3000 रुपये तक की बड़ी रकम भी वसूली जा रही है। ग्रामीणों ने बताया कि यह वसूली पूरी तरह से गैरकानूनी तरीके से की जा रही है, जिसमें न तो कोई मीटर रीडिंग ली जा रही है और न ही किसी प्रकार का लिखित दस्तावेज दिया जा रहा है। कई उपभोक्ताओं ने यह भी आरोप लगाया कि जब वे पैसे देने में असमर्थता जताते हैं, तो लाइनमैन द्वारा उनसे अरहर (दाल) जैसी कृषि उपज की मांग की जाती है, जो स्थिति को और भी गंभीर बना देता है। इस पूरे मामले को लेकर ग्रामीणों ने पहले भी कई बार ग्राम पंचायत, जनपद पंचायत और जिला पंचायत स्तर पर शिकायत दर्ज कराई थी, लेकिन अब तक किसी भी प्रकार की ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। प्रशासन की इस उदासीनता से थकहार कर दर्जनों की संख्या में ग्रामीण हाल ही में मंडल जनसुनवाई में पहुंचे, जहां उन्होंने अपनी समस्याएं अधिकारियों के सामने रखीं। ग्रामीणों का कहना है कि लाइनमैन द्वारा तीन दिन का ऑफर बताकर दबाव बनाया जा रहा है, जिससे वे जल्द से जल्द पैसे जमा करें। इस तरह की भाषा और दबाव से ग्रामीणों में भय का माहौल है। कई परिवार आर्थिक रूप से कमजोर हैं, जिनके लिए इस तरह की जबरन वसूली बड़ी समस्या बन गई है। स्थानीय ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। साथ ही, गांव में लंबित पड़ी विद्युत परियोजना को जल्द से जल्द पूरा किया जाए, ताकि ग्रामीणों को बुनियादी सुविधा मिल सके। यह मामला न केवल प्रशासनिक लापरवाही को उजागर करता है, बल्कि यह भी दशार्ता है कि किस तरह ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी बुनियादी सुविधाओं के नाम पर लोगों का शोषण किया जा रहा है। अब देखना यह होगा कि जिम्मेदार अधिकारी इस मुद्दे पर कब तक कार्रवाई करते हैं और ग्रामीणों को न्याय मिल पाता है या नहीं।

शहर में बढ़ रहा यातायात का भारी दबाव

नागरिक परेशान ,बेहोशी में जवाबदार

दैनिक रेवांचल टाईम्स झ मंडला, नगर में विकास एक सत्त प्रक्रिया है जिसके तहत नगर व जिले का विकास शनै-शनै होते चले जा रहे हैं। भविष्य की संभावनाओं को मद्देनजर रखते हुये यदि विकास किया गया होता तो आज हमारे सामने बड़ी संख्या के चलते बड़े यातायात के दबाव का दंश नहीं झेलना पड़ता यदि एक प्रयोजित तरीके से यदि नगर का विकास होता तो पार्किट, फुटपाथ, यातायात जैसे ज्वलंत समस्याओं से दो-चार नहीं होना पड़ता। कहावत है कि बीती ताही बिसार दे आगे की सुत ले हम इतिहास के पूर्वजों की गलतियों को न दोहराते हुये एक नई सोच के साथ कुछ अप्रिय कदम भी उठाये तभी जाकर व्याप्त समस्याओं का निदान हमें मिल सकेगा। वर्तमान परिषद के कार्यकाल में नगर सौन्दयी करण की परिपाटी में तीव्रगामी ढंग से चलायमान है । नगर की व्यवस्थाओं में पालिका परिषद की कार्यप्रणाली से कसावट आ रही है, जिससे नगर विकास अपने लक्ष्य की ओर बढता चला जा रहा है । जनहित की अपेक्षाओं पर जनप्रतिनिधि खरे भी उतर रहे है, और उसी का परिणाम है कि नगरपालिका परिषद से आमजनों की अपेक्षायें बढ रही है । नगर के हृदयस्थल में निर्मित कमनियागेट इसमें पहला कदम माना जा रहा है 1997 के भूकंप से थरथराई धरती ने इसे भी थरथरा दिया और कमनिया जीर्णशीर्ण हो चुका है। जिससे कभी भी कोई दुर्घटना संभावित है। अतः तोड़कर नये कमनिया गेट का निर्माण महती आवश्यकता है। जिसमें चौड़ा व इसी आकर का नया कमनिया गेट बनाया जावे जिससे इस क्षेत्र में यातायात की समस्या का हल मिलेगा तथा पुल की चौड़ाई बढ़ाने के लिए नगर

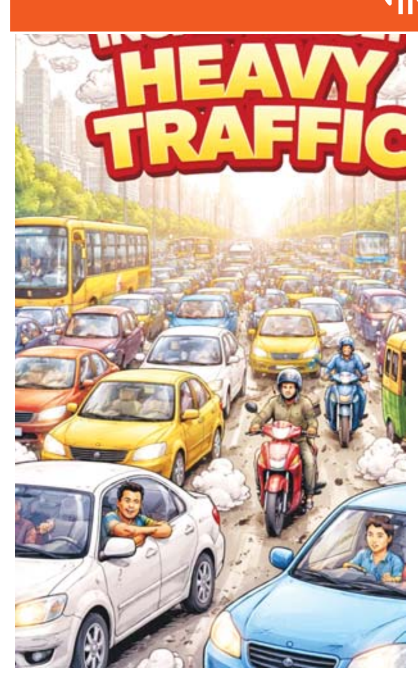

पालिका को मजबूर होना पड़ेगा। इस कमनिया गेट के ऊपर से धपड़े गिर रहे है जिससे कभी भी कोई दुर्घटना घट सकती है, नगरपालिका की बैठक सम्पन्न होने जा रही है तो उक्त बैठक में इस मुद्दे पर भी चर्चा कर कोई ठोस निर्णय लिया जाना इसी प्रकार सब्जी मंडी स्थित कमनिया गेट जर्जर हो चुका है जिसमें पटिया तक उसमें लटक रहे हैं वह कभी भी धाराशाही हो सकता है जिससे धन-जन की हानि हो सकती है। जिसके लिए भी निर्णय लेना समय की मांग है। वही नगर में नेहरु स्मारक चौराहे का चौडीकरण एक सराहनीय पहल है जो प्रत्यक्ष रुप से जनहित से जुडा हुआ है । इस कार्य को लेकर काफी लंबे अर्से से आम जनमानस के द्वारा मांग की जा रही थी जिसे वर्तमान नगरपालिका परिषद ने पूरा कर जनहित में प्रशंसनीय कार्य किया है परंतु अभी भी नगरपालिका परिषद के लिये चुनौतियां समाप्त नहीं हुयी है ।नगर में जनहित से जुडे ऐसे अनेक विषय अभी भी शेष है जिनमें दृढ इच्छा शक्ति और मजबूत संकल्प के साथ काम किये जाने से ही सफलता मिलेगी । पर्वकाल व अन्य समय में रपटा के निकट रानी दुर्गावती की प्रतिमा से लगे हुये रेवांचल पार्क को यदि थोड़ा सा संकीर्ण कर दिया जावे तो इस मार्ग में बनने वाले अंधेमोड को समाप्त किया जा सकता है। जिसके लिये पार्क के प्रवेश द्वार से कलादीर्घ के सामने वाले गेट से सीधाई मिला दी जावे तो जहां रपटाधाम में जाने वाले श्रद्धालुओं को सुविधा होगी वही दूसरी और अंधेमोड से निजात भी मिल सकेगी। उपरोक्त रेवांचल पार्क वैसे भी कम उपयोग होता है और नगरवासियों की रुचि भी इस पार्क को लेकर कापी कम है यदि इस पार्क की चौडाई कम कर दी जाये तो दोनों ओर से सडक स्पष्ट दिखने लगेगी और अंधे मोड की स्थिति समाप्त हो जायेगी । इसी प्रकार नेहरू स्मारक के निकट वन विभाग का बेकार पड़ा गोदाम बनाम लाल भवन भी अंधा मोड बनाता है जिसे विभाग की सहमति से तोड़कर अंधेमोड को भी खत्म किया जा सकता है जिससे यातायात में आसानी हो सकेगी। इस अंधे मोड का एक मार्त कारण वन विभाग का जीर्ण-शीर्ण भवन और पेशाब घर है जिसके कारण से अंधे मोड जैसी स्थिति बनी हुई है । यदि उपरोक्त भवन और पेशाब घर को हटा दिया जाये तो दूर तक स्पष्ट दिखने वाली सडक जैसी स्थिति निर्मित की जा सकती है। यातायात के बढ़ते दबाव को कम करने की दृष्टि से यदि छोटे पुल से पैदम व दोपाहिया वाहनों का आवागमन कर दिया जावे तो बड़े पुल में होने वाली दुर्घटनाओं के ग्राफ में निश्चित रूप से कमी आयेगी। यह सुविधा वषार्काल में प्रतिबंधित भी रखी जा सकती है। नगर में पार्किंग की ज्वलंत समस्या है पूर्व परिषद द्वारा परिषद के परिसर में ही पार्किंग की व्यवस्था की गई थी उसे पुनः बहाल कर पुलिस का सहयोग लेकर शक्ति से एक निश्चित अवधि में पालन कराया जाये तो शाम को लगने वाले जाम से मुक्ति मिल सकेगी। इस पार्किंग व्यवस्था से नगरपालिका को आर्थिक आमदनी भी अतिरिक्त हो सकती है। अपेक्षा की जा रही है कि नगरपालिका परिषद बैठक में इन बिन्दुओं पर सर्वसम्मति से इन पर कोई कठोर व ठोस निर्णय लेती है तो निश्चित रूप से नगरवासियों को कुछ सुविधा उपलब्ध हो सकेगी। नगरवासियों को पता है कि वर्तमान नगरपालिका परिषद की दृढ इच्छा शक्ति है और जनहित के मजबूत संकल्प के साथ कार्य करने वाले अधिकारी व जनप्रतिनिधि नगर विकास में अपनी सक्रिय भूमिका अदा कर रहे है । इन्हीं आशाओं के साथ नगरवासियों ने अपेक्षा की है कि उपरोक्त अंधे मोडों को खत्म करने की कवायद अतिशीघ्र शुरू की जाये । ताकि आम लोगों की सुरक्षा और व्यवस्थित नगर की कल्पना को साकार किया जा सके ।

नागरिकों को निशाना बना रहे आवारा कुत्ते

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। नगर में इन दिनों आवारा कुत्तों की संख्या में बेहिसाब बढ़ोत्तरी हुई है। जिससे नागरिक बुरी तरह भयभीत हैं। कुत्तो का आतंक इस कदर है कि वे कब किस पर हमला कर बैठें कोई भरोसा नहीं। इनके चलते बच्चे घर से बाहर नहीं निकल पा रहे हैं। बड़े और बुजुर्गो को भी रात में निकलने में सावधानी बरतनी पड़ रही है। शहर में ये कुत्ते झुण्ड में घूमते हुये किसी भी गली में देखे जा सकते हैं। ये आवारा कुत्ते जानवरों पर भी हमला करने से बाज नहीं आतेबीच सड़क में झुण्ड के रूप में खडे रहने से जानवरों को भी परेशानी का सामना करना पड़ता है। आवारा कुत्तों का आतंक शहर में एक या दो क्षेत्र में नहीं बल्कि सम्पूर्ण नगर और उपनगरीय क्षेत्र तक में है। कुत्तों की संख्या बढ़ने का एक कारण यह भी है

कि ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले कुत्ते यहां पर होटलों आदि की बची खुची स्वादिष्टद्द सामग्री खाकर यहीं के होकर रह जाते हैं। जिससे इनकी संख्या दिन प्रतिदिन बढ़ रही है ।संबंधित विभाग से अपेक्षा की गई है कि नगर मे बढ़ रहे आवारा कुत्तों पर शिकंजा कसा जावे ताकि लोगों को असमय होने वाली परेशानी से निजात मिल सके।

स्वामी,प्रकाशक, मुद्रक, मुकेश श्रीवास द्वारा मां रेवा पब्लिकेशन जबलपुर 68/1 लक्ष्मीपुर विवेकानंद वार्ड मुस्कान प्लाजा के पीछे MR-4 रोड उखरी जबलपुर से मुद्रित एवं सिविल लाईन जवाहर वार्ड मंडला से प्रकाशित। प्रधान संपादक-मुकेश श्रीवास, सिविल लाईन, जवाहर वार्ड मंडला । मो. 9406771592, संपादक – प्रहलाद उइके
RNI. Reg. No MPHIN/2016/69877 (समाचार पत्र के लिये पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार) (न्यायलयीन क्षेत्राधिकार मंडला) Email:- revanchaltimes@gmail.com web-revanchaltimes.in